ज्येष्ठ शुक्ल - 9 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 305 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 05-06-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 इतिहास नेहरू-गांधी परिवार के आत्मसमर्पणों' से भरा : भाजपा

6 राम मंदिर के स्वर्ण शिखर की आभा से आलोकित हुआ राष्ट्र

7 मिस वर्ल्ड का मिशन सिर्फ तारीफ बटोरना नहीं, समाज में बदलाव लाना भी है : मानुषी छिल्लर

फर्स्ट टेक

भारत ने तीन भारतीयों को बचाने के लिए ईरान को धन्यवाद दिया

तेहरान/भाषा। भारत ने पिछले महीने लापता हुए तीन भारतीयों को सुरक्षित बचाने के लिए बुधवार को ईरान को धन्यवाद ज्ञापित किया। भारत ने कहा कि ईरान का समर्थन दोनों देशों की ''मित्रता की सच्ची भावना'' को दर्शाता है। ईरान से संचालित समाचार एजेंसी 'तस्नीम' ने मंगलवार को अपनी खबर में कहा, ''दक्षिणी तेहरान के वरामिन में बंधक बनाने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की गई और बंधकों को मुक्त करा लिया गया।'' ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''तीनों अपहृत भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है और अब वे भारतीय दूतावास की देखरेख में हैं, जो उनकी शीघ्र स्वदेश वापसी में सहायता कर रहा है।'' भारतीय दूतावास ने कहा, ''हम उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए ईरान सरकार की त्वरित और प्रभावी कोशिशों के लिए उनका दिल से धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

वियतनाम ने दो बच्चों की नीति को खत्म किया

हनोई/एपी। वियतनाम ने घटती हुई जन्म दर को रोकने और देश में बुजुर्गों की बढ़ती संख्या के दबाव को कम करने के प्रयास के तहत लंबे समय से लागू दो बच्चों की अपनी नीति को समाप्त कर दिया है। वियतनाम की सरकारी समाचार एजेंसी ने बुधवार को बताया कि नेशनल असेंबली ने उन नियमों को खत्म करने के लिए संशोधन पारित किया है, जो परिवारों को एक या दो बच्चे पैदा करने की ही अनुमति देते थे। मौजूदा समय में वियतनामी परिवारों में पहले की तुलना में कम बच्चे पैदा हो रहे हैं। वियतनाम में वर्ष 2021 में जन्म दर प्रति महिला 2.11 बच्चे थी, जो कि लंबे समय में जनसंख्या में कमी से बचने के लिए आवश्यक प्रतिस्थापन दर से थोड़ा अधिक है।

बांग्लादेश ने मुजीबुर्रहमान की राष्ट्रपिता की उपाधि वापस ली

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कानून में संशोधन करके बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की राष्ट्रपिता की उपाधि वापस ले ली है और उनका उल्लेख स्वतंत्रता सेनानी के तौर पर किया गया है। बुधवार को मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता मुजीबुर्रहमान के चित्र को नए मुद्रा नोटों से हटाने के कुछ दिन बाद मंगलवार को यह कदम उठाया है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, अंतरिम सरकार ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता सेनानी परिषद अधिनियम में संशोधन करते हुए स्वतंत्रता सेनानी की परिभाषा में परिवर्तन कर दिया है।

04-06-2025	05-06-2025
सूर्यास्त 6:33 बजे	सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
80,998.25	24,620.20
(+260.74)	(+77.70)

सोना	चांदी
10,098 रु.	111,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जय अवसरवाद

दुश्मन का दुश्मन मित्र सदा,
चाणक्य नीति आदर्श मान।
है लक्ष्य सभी का बस सत्ता,
बिन इसके सेवा व्यर्थ जान।
कर रहे समर्थन या विरोध,
सब कुछ फर्जी वादे जुबान।
अवसरवादी छाए चहुं दिश,
है लोकतंत्र फिर भी महान।।

आरसीबी की पहली

आईपीएल जीत का जश्न मातम में बदला

■ **भगदड़ में 11 की मौत, मजिस्ट्रेट जांच के आदेश**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आरसीबी की पहली आईपीएल जीत का जश्न बुधवार को मातम में बदल गया जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर टीम की झलक पाने के लिये हजारों प्रशंसकों के जुटने के कारण मची भगदड़ में कम से कम 11 की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''बेंगलूरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 घायल हुए हैं। दो तीन लाख से ज्यादा लोग जुटे थे जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी।''

न्यायिक जांच के आदेश

उन्होंने यह भी कहा कि स्टेडियम में 35000 दर्शक ही आ सकते थे। उन्होंने मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिये हैं और मृतकों के परिजनों को दस लाख रूपये मुआवजा देने की भी घोषणा की। यह भगदड़ तब हुई जब हजारों प्रशंसक अलग अलग दरवाजों से स्टेडियम के भीतर घुसने के लिये जमा हो गए। पुलिस के लिये उन पर नियंत्रण कर पाना मुश्किल हो गया जिससे अफरा तफरी फैल गई और खुशी का माहौल गम में बदल गया।

पुलिस ने कर्नाटक प्रदेश क्रिकेट संघ द्वारा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के सम्मान में आयोजित समारोह से पहले स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए हल्का बलप्रयोग भी किया। इस बीच खिलाड़ियों का सम्मान समारोह स्टेडियम के भीतर जारी रहा। स्टेडियम के बाहर लोगों के गिरने, पुलिस द्वारा घायलों को अस्पताल ले जाने और एंबुलेंस में लोगों के अचेत होने की तस्वीरें लगातार आती रही। अचेत हुए लोगों को सीपीआर देने के दृश्य भी सामने आये।

घायलों को बोरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल और अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार मौत का कारण दम घुटना हो सकता है। अस्पताल में भी हृदय विदारक दृश्य देखने को मिले जहां अपने प्रियजनों को खोने वाले लोग आंसुओं पर काबू नहीं रख पा रहे थे।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस हादसे को हृदय विदारक बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, बेंगलूरु में हुई दुर्घटना बहुत ही हृदयविदारक है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी भगदड़ में हुई मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया।

उप मुख्यमंत्री डी के शिवाकुमार ने कहा, ''भीड़ अनियंत्रित हो गई और पुलिस के लिये मुश्किल हो गया था जिससे हमें जुलूस रोकना पड़ा।''

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा कि आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न की बेहतर योजना बनाई जानी चाहिये थी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पीटीआई से कहा, ''इस स्तर के जीत के जश्न के आयोजन के लिये पर्याप्त एहतियात बरती जानी चाहिये थे और सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखना था। कहीं न कहीं तो कोई चूक हुई है।''

वहीं आईपीएल चेयरमैन अरूण धूमल ने कहा ''जिस भी जांच की जरूरत होगी, वह की जायेगी। यह बीसीसीआई का आयोजन नहीं था। यह दुखद और त्रासद है। जश्न यूं त्रासदी में बदल गया। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति हमारी संवेदनायें।''

भीड़ ने गेट तोड़े और भगदड़ जैसी स्थिति हो गई : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि लोगों की भीड़ ने गेट तोड़ दिए जिसके कारण यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। शिवकुमार ने कहा, ''लोगों की भीड़ ने गेट तोड़ दिए। मुझे लगता है कि बड़े पैमाने पर भगदड़ मची है। मैंने पुलिस आयुक्त और अधिकारियों से बात की है...मौतों की सही संख्या अभी भी पता नहीं है। हम इस हादसे पर नजर बनाए हुए हैं, और सभी से शांत रहने की अपील करते हैं।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह उन अस्पतालों का दौरा कर रहे हैं, जहां घायलों इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री, मंत्री और पुलिस अधिकारी पहले से ही घटनास्थल का दौरा कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''वहां बहुत अधिक भीड़ थी। हमने हवाई अड्डे से ही देखा। इसलिए हमने जुलूस रद्द करने का फैसला किया और उन्हें (टीम को) बंद गाड़ी में ले गए। कम से कम विधान सौधा से जुलूस निकालने का अनुरोध किया गया था। बारिश के कारण भीड़ अनियंत्रित हो गई, इसलिए हमने वह जुलूस भी रद्द कर दिया। यहां स्टेडियम में भी जुलूस की व्यवस्था थी एक घंटे का कार्यक्रम। हमने निर्देश दिया था कि इसे 10-15 मिनट में समाप्त कर दिया जाए और उसी के अनुसार यह किया गया।''

सरकार ने की जातिगत गणना के साथ जनगणना कार्यक्रम की घोषणा

■ **लद्दाख में जातिगत गणना के साथ जनगणना के लिए संदर्भ तिथि एक अक्टूबर, 2026 को होगी जबकि बाकी देश में एक मार्च, 2027 से होगी।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जातिगत गणना के साथ जनगणना के लिए संदर्भ तिथि एक अक्टूबर, 2026 को होगी जबकि बाकी देश में इस प्रक्रिया की संदर्भ तिथि एक मार्च, 2027 से होगी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में बताया, '' जातिगत गणना के साथ-साथ जनगणना-2027 को दो चरणों में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।''

इसमें कहा गया, ''केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि 2026 के पहले अक्टूबर की आधी रात बारह बजे होगी।''

विज्ञप्ति में कहा गया, ''जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवतः 16 जून 2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।''

भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है।

मस्क ने ट्रंप के कर विधेयक को 'घृणित' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कर और खर्च में कटौती के विधेयक को ''घृणित'' करार किया है। रिपब्लिकन पार्टी के विधायी एजेंडे के केंद्रबिंदु माने जाने वाले इस विधेयक को निशाना बनाने वाला मस्क का यह बयान रिपब्लिकन पार्टी में उनकी प्रभाव की परीक्षा होगा।

मस्क ने अपने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में उनके सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया था। मस्क ने कुछ दिन पहले सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व किया था और हाल में उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया था।

मस्क ने 'एक्स' पर लिखा, ''मुझे खेद है लेकिन मैं अब इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकता।'' उन्होंने कहा, ''खर्च संबंधी संसद का यह बड़ा, अपमानजनक, घटिया विधेयक घृणित है। इसके लिए वोट देने वालों पर शर्म आती है: आप जानते हैं कि आपने गलत किया। आप यह जानते हैं।''

यह विधेयक प्रतिनिधि सभा में पारित हो चुका है और सीनेट में इस पर चर्चा होनी है। यह विधेयक मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टेस्ला को मिलने वाली सब्सिडी में कटौती करेगा। मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं को धमकी भरे अंदाज में एक 'पोस्ट' में लिखा, ''अगले वर्ष नवंबर में हम उन सभी नेताओं को बर्खास्त कर देंगे जिन्होंने अमेरिकी जनता के साथ विश्वासघात किया है।''

अमेरिका के दौरे पर आए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कहा

भारत के साथ साझेदारी को लेकर दूसरे देश उत्साहित

■ **हम शांति से रहना चाहते हैं। हम चाहेंगे कि हमारा पड़ोसी स्थिर हो। कोई भी नहीं चाहता कि कोई अस्थिर उन्मादी आपके बगल में रहे।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के दौरे पर आए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा है कि भारत में निवेश को लोकतंत्र, जिम्मेदार नागरिक नेतृत्व और वैश्विक प्रगति में निवेश के रूप में देखा जा रहा है। सूर्या ने यहां पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अगुवाई वाले बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के चार देशों के दौरे के दौरान उत्साही प्रतिक्रिया पर प्रकाश डाला।

यह प्रतिनिधिमंडल ब्राजील की यात्रा पूरी करने के बाद मंगलवार को अमेरिका पहुंचा। इसके पहले प्रतिनिधिमंडल गुयाना, पनामा एवं कोलंबिया की यात्रा कर चुका है।

भाजपा सांसद ने कहा, ''हर एक देश इस बात को लेकर उत्साहित था कि वे भारत को क्या दे सकते हैं और भारत उन्हें क्या दे सकता है।'' उन्होंने रेखांकित किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े तथ्यों को सामने रखने के साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने विनिर्माण और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में संभावित साझेदारी पर भी बात की।

सूर्या ने कहा, ''कई देश जो विनिर्माण में रुचि रखते हैं, जो प्रौद्योगिकी में रुचि रखते हैं, वे भारत के साथ साझेदारी करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''लोग जानते हैं कि भारत में निवेश लोकतंत्र में किया गया निवेश है और भारत में निवेश जिम्मेदार नागरिक नेतृत्व में निवेश है। इसका मतलब वैश्विक प्रगति भी है।'' उन्होंने कहा कि पिछले 20-30 वर्षों में दुनिया को हिला देने वाले हर आतंकवादी हमले की जांच सीधे या परोक्ष रूप से पाकिस्तान से जुड़ती रही है।

ज्योति मल्होत्रा के संपर्क में रहा पंजाब का यूट्यूबर गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में पकड़ी गई हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ कथित रूप से निकट संपर्क में रहे पंजाब के एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने पंजाब के यूट्यूबर को आतंकवाद समर्थित एक जासूसी नेटवर्क का पता चलने के बाद गिरफ्तार किया जो उसे पाकिस्तानी खुफिया और सैन्य अधिकारियों से जोड़ता है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि जसबीर सिंह उर्फ जान महल (41) कथित तौर पर पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए जासूसी कर रहा था। पुलिस ने बताया कि रूपनगर के महलान गांव निवासी सिंह यूट्यूब चैनल जानमहल वीडियो चलाता था, जिसके 11 लाख से अधिक सब्सक्राइबर थे और वह यात्रा और खाना पकाने से संबंधित सामग्री पोस्ट करता था।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को 'राजनीतिक चश्मे' से नहीं देखा जा सकता : रीजीजू

न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के मुद्दे पर राजनीतिक दलों से चर्चा शुरू कर दी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने बुधवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने में सभी राजनीतिक दलों को साथ लेने के सरकार के संकल्प को रेखांकित करते हुए कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को 'राजनीतिक चश्मे' से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि कथित भ्रष्टाचार के मामले में फंसे न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के उद्देश्य से की जा रही यह कवायद एक 'सहयोगात्मक प्रयास' हो। उन्हें उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति ने दोषी ठहराया है।

रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में प्रस्ताव लाने के लिए सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि सभी दल न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए 'संयुक्त रूप से' प्रस्ताव लाएं।

रीजीजू ने कहा कि वह छोटे दलों से संपर्क करेंगे, जबकि सभी प्रमुख दलों को न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया है।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति ने इन तारीखों की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि इन सिफारिशों को राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। रीजीजू ने मानसून सत्र की घोषणा ऐसे समय में की है जब विपक्षी दलों के नेता ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने के लिए सरकार से विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे लिए हर सत्र विशेष सत्र है।''

भारत के साथ फिर संघर्ष शुरू होने की आशंका बहुत कम : इशाक डार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को कहा कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच फिर से सैन्य संघर्ष शुरू होने की आशंका बहुत कम है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान ऐसी किसी भी स्थिति (सैन्य संघर्ष) में मुंहतोड़ जवाब देगा।

डार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। इस संवाददाता सम्मेलन का आयोजन मीडिया को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान की हालिया यात्रा का विवरण देने तथा पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ संघर्ष में सहयोग देने के लिए संबंधित देशों के नेतृत्व का आभार जताने के वास्ते किया गया था।

भारत के साथ नये सिरे से संघर्ष छिड़ने की आशंकाओं के बारे में पूछे जाने पर डार ने कहा कि वह भविष्य का अंदाजा तो नहीं लगा सकते, लेकिन ऐसी किसी भी स्थिति की संभावना बहुत कम है।

मंत्री ने कहा, संघर्ष-विराम बरकरार है और दोनों पक्षों ने सैनिकों की वापसी से जुड़े सभी कदमों पर अक्षरशः अमल किया है। लिहाजा, मेरी राय में (नये सिरे से संघर्ष होने की) कोई आशंका नहीं है। उन्होंने हालांकि कहा, अगर भारत सैन्य संघर्ष का सहारा लेता है, तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे।

डार ने कहा कि पाकिस्तान, भारत के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए बेताब नहीं है।

किसी भी पेंशनभोगी को बकाया राशि पाने में समस्या नहीं होनी चाहिए : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मामलों के राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को पेंशनधारकों की शिकायतों के निपटान में प्रशासनिक संवेदनशीलता और दक्षता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी सेवानिवृत्त व्यक्ति को बकाया राशि पाने के लिए इधर-उधर भटकना नहीं चाहिए।

यहां 13वीं अखिल भारतीय पेंशन अदालत में सिंह ने पेंशन संबंधी शिकायतों के समयबद्ध निपटान की व्यवस्था का आह्वान करते हुए पेंशनधारकों की गरिमा सुनिश्चित करने में प्रशासनिक संवेदनशीलता और दक्षता की जरूरत बताई। उन्होंने पूरे देश के पेंशनधारकों, सरकारी अधिकारियों और विभागों के प्रमुखों को एक साथ लाने वाले एक दिवसीय कार्यक्रम में कहा कि पेंशन अदालत मॉडल हाल के वर्षों में किए गए सबसे जन केंद्रित सुधारों में से एक है। सिंह ने कहा, ''एक पेंशनधारक, जिसने राष्ट्र को जीवन भर सेवा दी है, उसे अपने हक के लिए इधर-उधर भटकना नहीं चाहिए।'' उन्होंने विभागों से ऐसे मामलों के समाधान में 'पूरी सरकार' का दृष्टिकोण अपनाने को कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निवारण केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं होना चाहिए, बल्कि पूर्वानुमानित भी होना चाहिए, जो प्रौद्योगिकी से समर्थित और संवेदनाओं से प्रेरित हो।

मंत्री ने पेंशनधारकों तक पहुंचने के लिए डिजिटल साधन के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया, जो व्यक्तिगत रूप से अदालत में भाग लेने में सक्षम नहीं हो सकते हैं।

सिंह ने कहा, ''ये अदालतें न केवल शिकायत निवारण के लिए एक मंच का प्रतिनिधित्व करती हैं, बल्कि सरकार का यह वादा भी है कि कोई भी आवाज अनसुनी नहीं रहेगी।'' उन्होंने कहा, '' केंद्रीकृत पेंशन शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली जैसे डिजिटल उपायों पर वास्तविक समय के आधार पर नजर रखने और समाधान के लिए लाभ उठाया जाना चाहिए।'' मंत्री ने विभागों और अधिकारियों से आग्रह किया कि वे पेंशनभोगियों के साथ न केवल लाभार्थियों के रूप में बल्कि 'प्रशासनिक परिवार के सम्मानित सदस्य' के रूप में व्यवहार करें।

सिंह ने कहा कि अदालत केवल शिकायत निवारण मंच ही नहीं है, बल्कि प्रशासनिक प्रदर्शन का 'बैरोमीटर' भी है। उन्होंने कहा, ''जब नागरिकों को लगता है कि उनकी बात सुनी जा रही है और उनका सम्मान किया जा रहा है, तो इससे शासन में भरोसा बढ़ता है।''

परागवे के राष्ट्रपति भारत-मर्कोसुर व्यापार समझौते का विस्तार करने के पक्षधर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। परागवे के राष्ट्रपति सेंटियागो पेना पालासिओस ने बुधवार को कहा कि उन्हें भारत और मर्कोसुर समूह के बीच व्यापार समझौते का विस्तार होने की उम्मीद है।

पालासिओस ने यहां 'आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और परागवे दोनों को एक-दूसरे से बहुत कुछ सीखना है। दक्षिण अमेरिकी देश परागवे भी चार देशों के समूह मर्कोसुर का सदस्य है। इसके अन्य सदस्यों में ब्राजील, अर्जेंटीना और उरुग्वे शामिल हैं। भारत की तीन-दिवसीय यात्रा पर आए पालासिओस ने कहा, ''हम बहुत उत्साहित हैं और उम्मीद करते हैं कि हम भारत और मर्कोसुर के बीच मुक्त व्यापार समझौते के विस्तार को लेकर बातचीत फिर से शुरू कर सकते हैं।'' उन्होंने इस समझौते को भारतीय कंपनियों के लिए एक अच्छा अवसर बताते हुए कहा कि पैरागवे दक्षिण अमेरिका में उनके प्रवेश के लिए एक द्वार या प्रवेश द्वार के रूप में कार्य कर सकता है। भारत और मर्कोसुर समूह के बीच वर्ष 2009 से ही मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लागू है। इस समझौते का विस्तार करने के प्रयास किए गए हैं। हालांकि तरजीही व्यापार समझौते का दायरा बढ़ाने के प्रयास बहुत आगे नहीं बढ़ पाए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सुझाव दिया था कि भारत और मर्कोसुर समूह के चारों सदस्य देश द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। परागवे के राष्ट्रपति ने कहा कि उनके देश में अधिकांश निवेश घरेलू स्तर पर ही आते हैं और बहुत कम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश होता है।

उन्होंने कहा कि उनका देश स्थिर आर्थिक नीतियां प्रदान करता है और कुछ अन्य दक्षिण अमेरिकी देशों के विपरीत यहां पर कोई वैचारिक बदलाव भी नहीं देखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत की तरह परागवे में भी बहुत युवा आबादी है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत और परागवे शिक्षा के क्षेत्र में एक साथ काम कर सकते हैं।

ईडी ने गोवा भूमि घोटाले के सरगना को गिरफ्तार किया

पणजी/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोवा में करोड़ों रुपए के भूमि 'घोटाले' के एक कथित सगरना को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि 2022 में गोवा विधानसभा चुनाव में कुम्भरजुआ से निर्दलीय उम्मीदवार रहे रोहन हरमलकर को मंगलवार रात धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया है। पणजी की एक विशेष अदालत ने उसे 14 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। संघीय जांच एजेंसी ने इस मामले में 24-25 अप्रैल को छापेमारी की थी। ईडी ने कहा था कि इस मामले में खुफिया जानकारी और उसके बाद की वित्तीय जांच के आधार पर छापे मारे गए। एजेंसी ने छापेमारी के बाद एक बयान में कहा था, इससे पता चला है कि रोहन हरमलकर नामक एक व्यक्ति मुख्य षड्यंत्रकर्ता है, जिसने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर साजिश रची और नकली दस्तावेज तैयार करने, राजस्व रिकॉर्ड से छेड़छाड़ करने जैसे फर्जी तरीकों से सही मालिकों की जमीन अवैध रूप से हड़प ली।

कोविड: स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से ऑक्सीजन, पृथकवास वार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सभी राज्यों को ऑक्सीजन, पृथकवास वार्ड में बिस्तरों, वेंटिलेटर और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. सुनीता शर्मा की अध्यक्षता में दो और तीन जून को तकनीकी समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं।

बैठक में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, आपातकालीन प्रबंधन प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम और दिल्ली में केंद्र सरकार के अस्पतालों के प्रतिनिधियों तथा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक कोविड की वर्तमान स्थिति और तैयारियों का आकलन करने के लिए आयोजित की गई थी। सूत्रों के अनुसार, आईडीएसपी के अंतर्गत राज्य और जिला निगरानी इकाइयां इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी और गंभीर श्वसन बीमारी पर बारीकी से नजर रख रही हैं। सूत्र ने कहा, ''दिशानिर्देशों के अनुसार, एसएआरआई मामलों में भर्ती सभी मरीजों और पांच प्रतिशत आईएलआई मामलों के लिए परीक्षण की सिफारिश की जाती है और पॉजीटिव एसएआरआई नमूनों को संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजा जाता है।''

ट्रंप के फोन पर मोदी के 'आत्मसमर्पण' वाले बयान के लिए माफी मांगे राहुल: यादव

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अपने उस बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए जिसमें उन्होंने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन आने के बाद 'आत्मसमर्पण' कर दिया। यादव ने गांधी पर पलटवार करते हुए सवाल किया कि वह कब परिपक्व होंगे? उन्होंने यह भी कहा कि देश में कांग्रेस के संगठन को मजबूती देने से पहले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को अपनी बुद्धि का 'सृजन' करना चाहिए।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक यादव ने कहा, ''राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री के लिए जो शब्द बोले हैं और जिस ढंग से उन्होंने ट्रंप की बात की है, यह उनका एक तरह से हल्कापन है।'' राहुल के बयान की कड़ी भर्त्सना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेना ने जिस प्रकार से पाकिस्तान की हालत खराब की है, उसे दुनिया भी मानती है। उन्होंने कहा कांग्रेस के सांसद ही दुनिया के देशों को भारत के शौर्य और पराक्रम के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन वह (राहुल गांधी) नादान की तरह बात करके नेता प्रतिपक्ष के गरिमापूर्ण पद और उसकी मर्यादा को ताक पर रख रहे हैं।'' भोपाल में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में पार्टी के 'संगठन सृजन अभियान' की शुरुआत करने के बाद राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मसमर्पण' कर दिया।

किसानों को बिजली उपलब्ध कराने में प्रमुख स्रोत हो सकते हैं सौर पैनल : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को सुझाव दिया कि एक ऐसे मॉडल पर विचार किया जा सकता है, जिसमें फसलों के ऊपर ऊंचे सौर पैनल लगाए जा सकते हैं, ताकि किसान भोजन और ऊर्जा दोनों के प्रदाता बन सकें।

मंत्री ने यहां भारतीय राष्ट्रीय सौर ऊर्जा महासंघ (एनएसईएफआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कृषि-नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन-2025 में हिस्सा लिया। इस अवसर पर चौहान ने महासंघ की रिपोर्ट और कृषि एवं नवीकरणीय ऊर्जा पर वार्षिक संदर्भ पुस्तक का विमोचन किया। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि सम्मेलन का आयोजन कृषि क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण के संबंध में नीति-निर्माताओं, विशेषज्ञों और किसानों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि किसानों को बिजली उपलब्ध कराने के मामले में सौर पैनल प्रमुख स्रोत हो सकते हैं और पीएम-कुसुम योजना उनके लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने ''खेतों में फसल उगाने के लिए ऊंचे सौर पैनल लगाने का मॉडल भी प्रस्तावित किया, जिसमें कहा गया कि इस तरह के मॉडल छोटे और मध्यम स्तर के किसानों को खाद्य और ऊर्जा प्रदाता दोनों में बदल सकते हैं।'' मंत्री ने इस मॉडल पर अधिक गंभीरता से विचार करने और इसे विकसित करने का आग्रह किया। चौहान ने कहा कि अगर इस मॉडल के प्रभावी और आधुनिक संस्करण सामने आते हैं, तो सरकार निश्चित रूप से इसके कार्यान्वयन का समर्थन करेगी।

आदित्य बिड़ला फैशन से बाहर निकली फ्लिपकार्ट

छह प्रतिशत हिस्सेदारी 588 करोड़ रुपए में बेची

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने बुधवार को आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल (एबीएफआरएल) में अपनी समूची छह प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में लेनदेन के जरिये 588 करोड़ रुपए में बेच दी। इन शेयरों की बिक्री के साथ ही फ्लिपकार्ट एबीएफआरएल से पूरी तरह अलग हो गई है। उसके पास पैंटालून्स, वैन ह्यूसेन और लुइस फिलिप जैसे परिधान ब्रांड हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर थोक सौदों के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, बेंगलूरु स्थित फ्लिपकार्ट ने अपनी अनुषंगी फ्लिपकार्ट इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के जरिये एबीएफआरएल में छह प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर 7,31,70,731 शेयर बेचे। इन शेयरों का निपटान औसतन 80.32 रुपए प्रति शेयर के भाव पर किया गया। इस तरह कुल लेनदेन का मूल्य 587.71 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि, एनएसई पर आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल के शेयर खरीदने वाली इकाइयों का विवरण नहीं मिल सका।

दिल्ली : रोहणी में तीन मंजिला इमारत ढही, दो लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर पूर्वी दिल्ली के रोहिणी इलाके में बुधवार को तीन मंजिला एक व्यावसायिक इमारत ढह गई। इमारत के मलबे में दो लोगों के फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि घटना रोहणी सेक्टर-7 के डी-12 में घटी और इस घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि विभाग को शाम चार बजकर चार मिनट पर सूचना मिली कि तीन मंजिला (भूतल और दो मंजिल) व्यावसायिक इमारत ढह गई और मलबे में कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने बयान में कहा कि इलाके को खाली करा लिया गया है और कई टीम मौके पर रवाना की गई है।

बयान में कहा गया है, ''स्थानीय पुलिस थाना से एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। शुरुआती जानकारी के मुताबिक पुलिस के पहुंचने से पहले ही एक घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया था। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक कॉल या शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।'' इसमें कहा गया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी भी तुरंत मौके पर पहुंच गए। मलबे को हटाने का काम अभी चल रहा है। पुलिस ने बताया, '' तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।''

अधिकारी ने बताया, '' दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सेवा और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) सहित विभिन्न एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंच गई हैं।''

उन्होंने बताया, ''हमले किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके को खाली करा दिया है। बिजली विभाग ने इलाके की बिजली काट दी है।''

भारतीय कंपनियां सीमा शुल्क, भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटने में सक्षम: मूडीज

मुंबई/भाषा। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस और इसकी स्थानीय इकाई इक्रा रेटिंग्स ने बुधवार को कहा कि भारतीय कंपनियां सीमा शुल्क और भू-राजनीतिक दबाव के प्रभाव से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि बाहरी चुनौतियों के कारण भारतीय उद्योग जगत नए वित्त वर्ष में निवेश के निर्णय बहुत सोच-समझकर करेंगी।

मूडीज के बयान में कहा कि भारत की गैर-वित्तीय कंपनियां घरेलू खपत पर ध्यान केंद्रित करने और निर्यात पर कम निर्भरता के कारण अमेरिकी आयात शुल्क से सीधे प्रभावित नहीं होती हैं। निजी खपत को बढ़ावा देने, विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने की सरकारी पहल वैश्विक मांग के कमजोर दृष्टिकोण को दूर करने में मदद करेगी। बाहरी चुनौतियों के बीच निजी क्षेत्र का पूंजीगत व्यय सोच-समझकर किया जाएगा। भारतीय कंपनियां घरेलू खपत में हो रही बढ़ोतरी को पूरा करने को क्षमता सृजन में निवेश करना जारी रखेंगी।

राहुल ने कांग्रेस की हरियाणा इकाई में जान फूंकने के लिए नेताओं से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संगठन के कायाकल्प अभियान के तहत बुधवार को हरियाणा के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की।

हरियाणा में एक दशक से अधिक समय से सत्ता से बाहर कांग्रेस के पास पिछले 11 वर्षों से राज्य में जिला स्तर का संगठन नहीं है और गांधी का दौरा इस प्रक्रिया को गति देने के लिए है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी हवाई अड्डे पर पहुंचने के आधे घंटे बाद दोपहर में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एचपीसीसी) मुख्यालय पहुंचे। अपने ढाई घंटे के दौरे के दौरान गांधी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। इसके बाद एआईसीसी और पीसीसी पर्यवेक्षकों के साथ एक और बैठक हुई। वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख उदय भान, बीरेंद्र सिंह, पीसीसी के कुछ पूर्व प्रमुख, महासचिव कुमारी शैलद, वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला, अजय सिंह यादव, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और अशोक तंवर मौजूद थे। पार्टी नेताओं ने कहा कि इन वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी इकाई के पुनर्गठन और हरियाणा में डीसीसी और कांग्रेस को मजबूत बनाने के बारे में सुझाव दिए। बाद में गांधी ने एआईसीसी और पीसीसी पर्यवेक्षकों से मुलाकात की क्योंकि पार्टी की हरियाणा इकाई संगठनात्मक कैडर को स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने वाली है।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस के पास पिछले 11 वर्षों से हरियाणा में संगठनात्मक ढांचे का अभाव है और गांधी का दौरा इस प्रक्रिया को गति देने के लिए है। बीरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा में जब पार्टी का पूरा संगठनात्मक ढांचा तैयार हो जाएगा, तो पार्टी और मजबूत होगी।

हरियाणा में कांग्रेस में पहले भी अंदरूनी कलह देखने को मिली है, इस सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा, सभी एकजुट हैं।

पर्यवेक्षकों की बैठक में भाग लेने वाले अमित सिहाग ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस नेतृत्व एक ऊर्जावान संगठन बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता इसमें भूमिका निभाएंगे।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भाजपा पर कटाक्ष किया

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह पहला मौका है जब सशस्त्र संघर्ष में देश की जीत के बारे में बताने के लिए भारतीय प्रतिनिधियों को विदेश भेजा गया है। आप नेता ने एक दिन पहले 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए सत्तारूढ़ दल पर 'सिंदूर' के नाम पर वोट मांगने का आरोप लगाया था। उन्होंने भाजपा से पूछा था कि क्या उसने 'एक राष्ट्र एक पति' योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री बुधवार को यहां मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के इस आरोप का जवाब देते हुए कि वह पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं, मान ने पूछा कि भाजपा ने घर-घर 'सिंदूर' भेजने का अपना फैसला क्यों वापस ले लिया। उन्होंने कहा, ''ऐसा पहली बार हो रहा है कि हमारे प्रतिनिधि विदेश में यह संदेश देने के लिए भेजे गए हैं कि हमने लड़ाई जीत ली है। दरअसल जब कोई (युद्ध) जीतता है तो दुनिया ऐसे भी जान जाती है।''

हैदराबाद में ट्रॉली बैग में मिला महिला का शव

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के बाचुपल्ली में बुधवार को एक अज्ञात महिला का शव ट्रॉली बैग में मिला, जिसे झाड़ियों में फेंक दिया गया था। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार महिला की उम्र 25 से 35 वर्ष के बीच लग रही है और संदेह है कि उसकी हत्या कहीं और की गई और शव ट्रॉली बैग में डालकर फेंक दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ऐसा लगता है कि शव को करीब 10-15 दिन पहले ट्रॉली बैग में डाला गया था। अधिकारी ने बताया कि झाड़ियों के पास टहल रहे कुछ लोगों ने अजीब सी गंध महसूस की और पुलिस को सूचना दी। उन्होंने कहा कि पुलिस मौके पर पहुंची और बैग खोलने पर शव मिला। अधिकारी ने कहा कि यह पता लगाने के लिए आसपास के पुलिस थानों को भी सूचित किया गया कि कहीं उनके इलाके में गुमशुदगी का कोई मामला तो दर्ज नहीं है। पुलिस ने बताया कि महिला की मौत का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

उच्चतम न्यायालय ने संपत्ति पर अधिकार संबंधी दिल्ली वक्फ बोर्ड की याचिका को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली वक्फ बोर्ड की उस याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि राजधानी के शाहदरा इलाके में एक संपत्ति 'वक्फ संपत्ति' है और वहां लंबे समय से एक गुरुद्वारा बना हुआ है।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने दिल्ली वक्फ बोर्ड की ओर से पेश हुए वकील से कहा, ''वहां एक गुरुद्वारा है, उसे रहने दें। अगर कोई दावा है भी तो आपको यह कहते हुए उस दावे को छोड़ देना चाहिए कि वहां पहले से ही एक गुरुद्वारा है।''

उच्चतम न्यायालय बोर्ड की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उसने दिल्ली उच्च न्यायालय के सितम्बर, 2010 के उस आदेश को चुनौती दी थी। आदेश में संपत्ति पर कब्जे के लिए उसके मुकदमे को खारिज कर दिया गया था।

मुकदमे में आरोप लगाया गया कि विचाराधीन संपत्ति एक वक्फ संपत्ति थी, जिसका इस्तेमाल लंबे समय से वक्फ के रूप में किया जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय ने हालांकि कहा, ''वहां एक गुरुद्वारा बना हुआ है।''

वक्फ बोर्ड के वकील ने मामले में निचली अदालत के न्यायाधीश के निष्कर्षों का हवाला दिया और कहा कि वहां एक मस्जिद मौजूद थी। उन्होंने कहा कि प्रतिवादी के एक गवाह ने खुद स्वीकार किया है कि वहां एक मस्जिद थी और ''गुरुद्वारा की तरह का एक ढांचा'' बनाया गया था, लेकिन इसका पंजीकरण नहीं कराया गया था।

पीठ ने कहा, ''यह गुरुद्वारा की तरह का ढांचा नहीं, बल्कि यह पूरी तरह से एक गुरुद्वारा है।''

उच्चतम न्यायालय ने याचिका खारिज करते हुए उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला दिया, जिसमें एक गवाह ने स्वीकार किया था कि 1947 से इस संपत्ति पर एक गुरुद्वारा है।

कमल हासन ने 'ठग लाइफ' के सितारों के साथ मंच साझा किया

भाषा विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता कमल हासन ने बुधवार को यहां अपनी आने वाली फिल्म ठग लाइफ' के सितारों के साथ मंच साझा किया, लेकिन कन्नड़ भाषा पर अपनी टिप्पणी से उपजे विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की।

हासन ने मणिरत्नम निर्देशित 'ठग लाइफ' के पीछे की कड़ी मेहनत और इसमें इस्तेमाल तकनीक की अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता पर बात की, जो 5 जून को रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''मुझे पूरे तमिलनाडु राज्य का शुक्रिया अदा करना चाहिए जो मेरे पीछे खड़ा है।'' हासन के इस बयान को उनकी कुछ दिन पहले की गई इस टिप्पणी की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल से हुआ है।

अभिनेता ने कहा कि उन्हें अपने सार्वजनिक संबोधनों में इस्तेमाल किए गए 'नारे उइरे, उरावे, तामिझे' का महत्व या अर्थ भी पूरी तरह से समझ में आ गया है। तीनों शब्दों का एक साथ इस्तेमाल तमिल भाषा के प्रति उनके गहरे प्रेम और उसके साथ उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाता है।

संयोग से, हासन ने चेन्नई में 'ठग लाइफ' के प्रचार कार्यक्रम में भी इस टैगलाइन का इस्तेमाल किया था, जिस दौरान उन्होंने कन्नड़ भाषा पर टिप्पणी की थी। हासन ने दिग्गज फिल्म निर्देशक मणिरत्नम की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक सिनेमा' ज्ञानी' बन गए हैं और वह उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित रहे। अभिनेता ने इस अवसर पर मीडिया का भी आभार व्यक्त किया। कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल से होने संबंधी टिप्पणी पर कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को हासन की आलोचना की।

'ठग लाइफ' के निर्माताओं ने कर्नाटक उच्च न्यायालय को सूचित किया कि फिल्म 5 जून को कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी, जबकि इसे पूरे देश में प्रदर्शित किया जाएगा। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा कि ''एक बार की माफी से स्थिति सुलझ सकती थी'' और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को किसी की भावना को ठेस पहुंचाने की सीमा तक नहीं बढ़ाया जा सकता है, खास तौर पर एक जनसमूह की... ''बोले गए शब्दों को वापस नहीं लिया जा सकता, और उनके लिए केवल माफी मांगी जा सकती है।''

'पॉक्सो मामले के आरोपी को स्कूल कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं किया जाना चाहिए'

तिरुवनंतपुरम। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने बुधवार को कहा कि पॉक्सो (यौन शोषण से बच्चों का संरक्षण अधिनियम) मामले के किसी भी आरोपी को राज्य द्वारा संचालित विद्यालयों में किसी कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि हाल में यहां एक सरकारी स्कूल में आयोजित समारोह में पॉक्सो मामले के एक आरोपी द्वारा भाग लिए जाने की घटना संस्थान की विफलता है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''स्कूल या उसके शिक्षक यह दावा नहीं कर सकते कि उन्हें पता नहीं था कि वह व्यक्ति कौन है। यह उनकी विफलता है।''

मंत्री ने कहा कि संबंधित स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने सुबह उनसे मुलाकात की और उन्हें बताया कि आरोपी को संस्थान को नोटबुक, पाठ्य पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने वाले एक स्वयंसेवी संगठन ने आमंत्रित किया था। प्रधानाध्यापिका ने उन्हें यह भी बताया कि संगठन ने स्वीकार किया है कि यह उसकी ओर से अनजाने में हुई गलती थी।

शिवनकुट्टी ने कहा, ''मैंने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऐसे व्यक्ति को स्कूल के कार्यक्रम में आमंत्रित करना सही नहीं है। ऐसे व्यक्तियों को स्कूल से संबंधित किसी भी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाना चाहिए।''

कांग्रेस ने केरल में एनएच 66 हादसे की सीबीआई जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। केरल में विपक्षी दल कांग्रेस ने भारी बारिश के बाद राज्यभर में राष्ट्रीय राजमार्ग 66 के कुछ हिस्सों के ढहने और क्षतिग्रस्त होने संबंधी घटना की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की बुधवार को मांग की। इस मुद्दे पर अब तक कोई जांच न करने के लिए राज्य की वामपंथी सरकार की आलोचना करते हुए कांग्रेस ने कहा कि केवल एक व्यापक जांच ही राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में शामिल कथित भ्रष्टाचार को उजागर कर सकती है।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) निर्माण में कथित इंजीनियरिंग खामियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि एक विशेषज्ञ समिति द्वारा तकनीकी पहलू की जांच के अलावा, इसमें शामिल ''भ्रष्टाचार'' की व्यापक जांच की जानी चाहिए।

सतीशन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''राज्य में सड़क (राष्ट्रीय राजमार्ग) निर्माण में खामियों की बड़े पैमाने पर जांच की जानी चाहिए। सीबीआई जांच का आदेश दिया जाना चाहिए। इसमें हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है।'' उन्होंने दावा किया कि विपक्ष को राज्य सरकार के भीतर कुछ लोगों के बारे में स्पष्ट संकेत मिले हैं, जिन्होंने कथित तौर पर उस ठेका कंपनी को लाभ पहुंचाया, जिस पर अब राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को लेकर आरोप लग रहे हैं।

सीबीआई जांच की विपक्ष की मांग ऐसे समय में आई है, जब कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यह स्पष्ट किया था कि राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण की पूरी जिम्मेदारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की है।

विजयन ने कहा था कि राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास प्रदेश की वाम लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार के दृढ़ संकल्प के कारण ही संभव हो पाया है। दो सप्ताह पहले लगातार बारिश के बाद मध्य और उत्तरी केरल में निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग 66 का एक हिस्सा ढहने, सड़क के कुछ हिस्सों में दरारें आने तथा निर्माण के लिए पहाड़ियों को समतल किए जाने वाले क्षेत्रों में मिट्टी खिसकने के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया था।

कमल हासन अहंकार और जानबूझकर अवज्ञा की पराकाष्ठा है : रवि कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने तमिल सिने अभिनेता कमल हासन द्वारा उच्च न्यायालय के निर्देश के बावजूद माफ़ी मांगने से इनकार करने को अहंकार की पराकाष्ठा बताया है। बुधवार को यहां जारी एक बयान में, रवि कुमार ने कहा कि कमल हासन द्वारा कर्नाटक उच्च न्यायालय की जानबूझकर अवज्ञा घोर निंदनीय है।

रवि कुमार ने कहा, कमल हासन भले ही एक अच्छे अभिनेता हों, लेकिन वे एक घटिया राजनीतिज्ञ साबित हुए हैं। इससे पहले भी वह कई विवादों में फंस चुके हैं। रवि कुमार ने कहा, कमल हासन न तो भाषा विशेषज्ञ हैं और न ही इतिहासकार, जो भाषाओं की उत्पत्ति और इतिहास पर टिप्पणी कर सकें। रवि कुमार ने कहा, कमल हासन को खुद को केवल वही करने देना चाहिए जिसमें वह अच्छे हैं, वह एक परिपक्व अभिनेता हैं लेकिन इससे उन्हें यह अधिकार नहीं मिल जाता कि वह हर विषय पर विवादास्पद बयान देकर सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का काम करें। उन्हें उन मामलों में अपनी नाक नहीं घुसानी चाहिए, जिनमें उनकी कोई विशेषज्ञता नहीं है। उन्होंने कहा कि वह उच्च न्यायालय की टिप्पणियों पर ध्यान दें और बिना शर्त और निस्वार्थ माफी मांगें।

मंत्री परमेश्वर ने पुलिस पर भाजपा के आरोपों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने दक्षिण कन्नड़ में हिंदू समर्थक संगठनों से जुड़े सदस्यों को पुलिस द्वारा निशाना बनाए जाने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोपों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि किसी को भी निशाना नहीं बनाया जा रहा है और कानून का उल्लंघन करने वालों को छोड़कर आम लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। परमेश्वर ने किसी भी राजनीतिक हस्तक्षेप से इनकार करते हुए कहा कि पुलिस स्थिति के आधार पर तथा निर्धारित नियमों के अनुसार स्थानीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई करती है।

भाजपा ने पुलिस द्वारा रात के समय कुछ नेताओं की पहचान कर उन्हें बाहर निकालने तथा हिंदू संगठनों के लिए काम करने वाले लोगों के घरों पर जाने के कथित कदम पर आपत्ति जताई है।

राज्य के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''मैं दक्षिण कन्नड़ के लोगों से अपील करना चाहता हूं कि किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। जो लोग कानून और आम जनता के खिलाफ काम कर रहे हैं, उन्हें ही चिंता करनी चाहिए। हम ऐसा कुछ नहीं होने देंगे जिससे आम लोगों को परेशानी हो।''

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''पुलिस के पास उस क्षेत्र में सांप्रदायिक गतिविधियों में शामिल लोगों के बारे में जानकारी हो सकती है। इसलिए उन्होंने रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने का निर्णय लिया है तथा लोगों में विश्वास पैदा करने और सांप्रदायिक गतिविधियों में शामिल तत्वों की पुष्टि करने के लिए वे (पुलिसकर्मी) घर-घर जा रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''आम लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें कोई परेशानी न हो। किसी को बेवजह निशाना नहीं बनाया जाएगा। अगर आप कानून के दायरे में रहकर काम कर रहे हैं तो आपको चिंता करने की क्या जरूरत है। कानून का उल्लंघन करने वालों को चिंतित होना चाहिए।''

बेंगलूरु ने पलक पावड़े बिछाकर किया आईपीएल चैम्पियन आरसीबी का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की टीम बुधवार दोपहर जब यहां पहुंची तो हवाई अड्डे के बाहर सड़क पर दोनों तरफ बड़ी संख्या में खड़े प्रशंसकों ने उनका गर्मजोशी से अभिवादन किया। प्रशंसक करिश्माई विराट कोहली के साथ टीम के खिलाड़ियों की एक एक झलक पाने के लिए सड़कों पर कतार में खड़े थे। यही हाल चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भी दिखा जहां प्रशंसकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

विधान सौधा (विधानसभा) में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के कार्यालय के रास्ते में सड़क के दोनों ओर खड़े प्रशंसकों ने चैंपियन टीम का उत्साह बढ़ाया। आरसीबी ने मंगलवार को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स को छह रन से हराकर 18 साल में अपना पहला खिताब जीता था। यह टीम के करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। कोहली लीग की शुरुआत से केवल इसी फ्रेंचाइजी के लिए खेल रहे हैं।

आरसीबी ने 'एक्स' पर लिखा, ''हम सभी प्रशंसकों से पुलिस और अन्य अधिकारियों द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने का अनुरोध करते हैं, ताकि सभी लोग शांतिपूर्वक इसका मजा ले सकें।'' चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर का नजारा हालांकि कुछ और ही था। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच प्रशंसक अंदर घुसने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए हजारों प्रशंसक विधान सौधा के बाहर भी इंतजार करते देखे गए। शहर में बारिश के मौसम ने भी अधिकारियों को ऐसा निर्णय लेने के लिए मजबूर किया होगा। इसके साथ ही आरसीबी की जीत के बाद कल रात भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर साझा तस्वीरों और वीडियो में कोहली को ट्रॉफी पकड़े हुए और टीम के बस मार्ग पर खड़े हजारों प्रशंसकों को सुखद आश्चर्य से देखते हुए देखा जा सकता है। प्रशंसक टीम के काफिले की ओर खुशी से हाथ हिला रहे थे।

शिवकुमार ने एचएएल हवाई अड्डे पर आरसीबी टीम का स्वागत किया

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) टीम का स्वागत किया, जो अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने के एक दिन बाद शहर पहुंची है। आरसीबी ने 18 साल के इंतजार के बाद आईपीएल खिताब हासिल किया है। आरसीबी की टीम जैसे ही एचएएल हवाई अड्डे पर पहुंची, शिवकुमार ने गुलदस्ते के साथ खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

वीडियो में शिवकुमार को विराट कोहली का स्वागत करते, उन्हें एक पीला व लाल कन्नड़ ध्वज और आरसीबी का झंडा देते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद टीम कड़ी सुरक्षा के बीच एक निजी होटल के लिए रवाना हुई, जबकि बड़ी संख्या में प्रशंसक सड़कों के किनारे खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन करने के लिए जमा हुए थे। शिवकुमार ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और प्रशंसकों के अपार समर्थन का ईनाम है।

उन्होंने पीटीआई वीडियो से कहा, कड़ी मेहनत का ईनाम मिला है। पिछले 18 वर्षों से विराट कोहली ने अपनी दृढ़ता प्रदर्शित की। अपना अनुभव और प्यार दिया। हमारे राज्य को गौरवान्वित किया है। इसलिए इस अवसर पर, यह हमारा कर्तव्य है। हालांकि पूरे देश में हमारे (प्रशंसक) हैं, लेकिन कर्नाटक के प्रशंसकों का कोई सानी नहीं। कर्नाटक सरकार की ओर से शिवकुमार ने टीम को बधाई दी और उनकी सफलता की कामना की। उन्होंने कहा, 18 साल का संघर्ष कोई छोटी बात नहीं है। अपने युवा दिनों में मैं खिलाड़ी रहा हूं और बतौर खिलाड़ी में जानता हूं कि हमें कितनी मेहनत करनी होती है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

विधान सौधा के परिसर के बाहर बड़ी संख्या में प्रशंसक एकत्रित हुए, जहां कर्नाटक सरकार आरसीबी के लिए एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित करेगी। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या यहां विधान सौध में रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली टीम को सम्मानित करेंगे। आरसीबी ने मंगलवार को अहमदाबाद में आईपीएल के फाइनल में पंजाब किंग्स पर छह रन की जीत के साथ अपना पहला खिताब जीता। इससे पहले तीन बार आरसीबी उपविजेता रही है।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) टीम की उपलब्धि और प्रदर्शन का सम्मान करने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित करेगा।

मंगलूरु के निजी अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु में एक निजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली जिसके बाद अस्पताल को खाली कराकर पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे परिसर की गहन जांच की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि, जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

पुलिस के अनुसार एक अज्ञात व्यक्ति ने उल्लाल तालुक के डेरालाकट्टे के पास स्थित कनाचूर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को फोन पर धमकी दी और दावा किया कि परिसर में बम रखा गया है। पुलिस ने बताया कि प्रबंधन ने तुरंत अस्पताल से लोगों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचित किया। उसने बताया कि बम निरोधक दस्ते और स्थानीय पुलिस बल ने खोजी कुत्तों की मदद से अस्पताल परिसर की जांच की लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। इस संबंध में कोनाजे थाने की पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और कॉल करने वाला का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया, ''प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कॉल एक मोबाइल फोन से की गई थी और तकनीकी टीम कॉल करने वाले की पहचान के लिए कॉल रिकॉर्ड की जांच कर रही है।''

कर्नाटक सरकार ने विधान सौधा में आईपीएल चैम्पियन आरसीबी का स्वागत किया

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को 18 साल में पहला आईपीएल खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु टीम को सम्मानित किया। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रजत पाटीदार की कप्तानी वाली टीम का विधान सौधा के सामने बनी भव्य सीढ़ियों पर स्वागत किया।

एक छोटे से कार्यक्रम में खिलाड़ियों को मैसूरु फेटा (पारंपरिक पगड़ी), शॉल और पुष्पमाला पहनाई गई। इस कार्यक्रम को देखने के लिये बड़ी तादाद में प्रशंसक जमा थे।

विशिष्ट सेवा पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को सशस्त्र बलों के कई शीर्ष अधिकारियों और भारतीय तटरक्षक बल तथा सीमा सड़क संगठन के अन्य कर्मियों को असाधारण सेवा प्रदान करने के लिए विशिष्ट सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार और लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह 2025 (चरण-II) के दौरान परम विशिष्ट सेवा मेडल (पीवीएसएम) प्राप्त किया।

कर्नाटक सरकार को सुरक्षा प्रोटोकॉल की तत्काल समीक्षा करनी चाहिए : भगदड़ की घटना पर खरगे ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आईपीएएल में 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु' (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाए जाने के दौरान आयोजन स्थल पर मची भगदड़ में कई लोगों की मौत पर बुधवार को दुख जताया और कहा कि राज्य सरकार को आयोजनों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए तथा उन्हें मजबूत करना चाहिए। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है।

खरगे ने कहा, कर्नाटक सरकार द्वारा प्रभावित परिवारों को राहत, चिकित्सा सहायता और सहायता प्रदान किए जाने के लिए है प्रतिबद्ध

आरसीबी की जीत के जश्न में भाग लेने के लिए बुधवार को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों के जुटने के उपरांत मची भगदड़ में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र ने दावा किया कि भगदड़ से 11 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की आईपीएल, 2025 की जीत के जश्न के दौरान बेंगलूरु में हुई दुखद भगदड़ से मैं बहुत दुखी हूं। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में बहुमूल्य जिंदगियों की क्षति हुई है और कई लोगों को चोटें आई हैं जो अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है, और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस बेंगलूरु के लोगों के साथ खड़ी है और कर्नाटक सरकार द्वारा प्रभावित परिवारों को राहत, चिकित्सा सहायता और सहायता प्रदान किए जाने के सभी प्रयासों में सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। खरगे ने कहा, ''राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों को ऐसी त्रासदी की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए ऐसे आयोजनों के वास्ते सुरक्षा प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए तथा उन्हें मजबूत करना चाहिए। जीत की खुशी कभी भी जान की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।''

बीएसएफ के महानिरीक्षक ने सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सीमांत मुख्यालय जोधपुर के महानिरीक्षक एम.एल. गर्ग ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर जैसलमेर (उत्तर) सेक्टर का वार्षिक निरीक्षण किया। आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने विभिन्न सीमा चौकियों तथा तारबंदी से लगती भारत-पाकिस्तान सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और वहां रात्रि विश्राम भी किया। महानिरीक्षक गर्ग ने सीमा पर तैनात जवानों से संवाद कर उन का मनोबल बढ़ाया तथा तमाम दुर्गम व कठोर परिस्थितियों में भी सरहद पर डटे रहकर अपने कर्तव्य का पालन करने के लिये सभी सीमा प्रहरियों की हौसला आफजाई।

इसमें कहा गया कि गर्ग ने जवानों को सतर्कता और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। महानिरीक्षक ने जवानों को इसी तरह सरहद पर मुस्तैद रहने के साथ-साथ वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर हर समय सजग व अवांछनीय गतिविधियों से कड़ाई से निपटने के निर्देश दिये ताकि सीमा सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो।

इस दौरान गर्ग ने तनोट माता मंदिर में दर्शन-पूजन किया यहां उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान बीएसएफ जवानों की दृढ़ता, संकल्प और प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने बीएसएफ जवानों को साइबर जालसाजों द्वारा अपनाये जाने वाले विभिन्न तरीकों के बारे में अवगत कराया तथा साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए सजग किया। गर्ग ने अपने दौरे के दौरान जैसलमेर सेक्टर (उत्तर) की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अधीनस्थ अधिकारी तथा जवानों से भी चर्चा की। गर्ग बृहस्पतिवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

प्रदेश भर में जल संचयन और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए आयोजित होंगी व्यापक गतिविधियां

जयपुर, । प्रदेश में भूजल स्तर बढ़ाने तथा जल संचयन के प्रमुख उद्देश्यों के दृष्टिगत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 5 से 20 जून तक प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान चलाया जायेगा। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के शुभ संयोग पर 5 जून से इस अभियान की शुरूआत होगी। इस अभियान में हमारी गौरवशाली संस्कृति में निहित पर्यावरण संरक्षण के पुनीत कार्यों का व्यापक रूप से आयोजन किया जाएगा और आमजन को पर्यावरण की महत्ता के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। जिससे यह अभियान जन आंदोलन बन सकें। वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के अन्तर्गत शर्मा 5 जून को प्रातः जयपुर के रामगढ़ बांध पर मोरी के निकट गोपालगढ़ ग्राम में श्रमदान करेंगे तथा अमृतम जलम अभियान कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री बूंदी के गोहाटा पहुंचकर रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना) के अंतर्गत निर्मित होने वाले एक्वाडक्ट का निरीक्षण करेंगे। यहां से मुख्यमंत्री केशोरायपाटन (बूंदी) में चम्बल घाट कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे जहां वे पूजन (गंगा लहरी), चुनरी महोत्सव तथा कलश यात्रा में शिरकत करेंगे। साथ ही, शर्मा केशोरायपाटन मंदिर में दर्शन एवं पूजन भी करेंगे।

वंदे गंगा : जल संरक्षण जन अभियान बनेगा जन आंदोलन : सुरेश सिंह रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा है कि 'वंदे गंगा -जल संरक्षण जन अभियान' केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि राजस्थान में जन चेतना का प्रतीक बनने जा रहा है। यह अभियान वर्षा जल संग्रहण, पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और जन सहभागिता को केन्द्र में रखते हुए एक जन आंदोलन का स्वरूप लेगा। उन्होंने कहा कि इसे सबका श्रम, सबकी सहभागिता की भावना से चलाया जाना चाहिए। रावत बुधवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, जोधपुर में आयोजित संभाग स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में जोधपुर संभाग के आठों जिलों के जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं विभागीय प्रतिनिधि वीसी के जरिए मौजूद रहे।

जल संसाधन मंत्री ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर स्थित पारंपरिक जल स्रोतों का विधिवत पूजन कर जनजागरण किया जाए।

राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नदी, नाले, तालाबों से अतिक्रमण हटाकर उन्हें सामाजिक सहभागिता से गोद लेने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि उनका नियमित संरक्षण और रख रखाव सुनिश्चित हो सके।रावत ने कहा कि यह अभियान औपचारिकता में न सिमटे, इसके लिए गांव-गांव में रथ यात्रा, कलश यात्रा, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, दीवार लेखन व हस्ताक्षर अभियान जैसी गतिविधियां अनिवार्य रूप से करवाई जाएं। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों के साथ महिलाओं, युवाओं, छात्रों, स्वयंसेवी संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, मीडिया एवं पुलिस की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

जल संसाधन मंत्री ने निर्देश दिए कि संभाग की सभी खालों की शत-प्रतिशत डिसिल्टिंग सुनियोजित तरीके से करवाई जाए। यह कार्य मनरेगा, ग्राम पंचायत एवं पटवारियों के सहयोग से किया जाए। साथ ही, बारिश में जलभराव वाले क्षेत्रों की पहले से पहचान कर समाधान की कार्ययोजना बनाई जाए। पारंपरिक तालाबों व जल संरचनाओं पर उनके ऐतिहासिक व उपयोगी विवरण वाले सूचना बोर्ड लगाए जाएं, ताकि युवा पीढ़ी को जल संरक्षण की सांस्कृतिक विरासत का बोध हो सके और संरक्षणकर्ताओं एवं इतिहास से आमजन प्रेरित हो सकें।

मीटिंग के दौरान तय किया गया कि पूरे जोधपुर संभाग में इस वर्ष 1 करोड़ 1 लाख पौधों लगाए जाएंगे। इसमें जोधपुर में 20 लाख, पाली में 20 लाख, जालौर में 14 लाख, बाड़मेर में 14 लाख, जैसलमेर में 11 लाख, सिरोही में 11.5 लाख और फलोदी में 5.5 लाख पौधे लगाए जाएंगे। रावत ने निर्देश दिए कि प्रत्येक पौधे की जियो टैगिंग, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी की जाए और छह माह में उसके जीवित रहने की रिपोर्टिंग सुनिश्चित हो।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा आज भी प्रासंगिक : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रसिद्ध चिंतक व विचारक, भारतीय जनसंघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा प्रदत्त एकात्म मानवदर्शन के साठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति जयपुर, भूपाल नोबल्स संस्थान व राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानवदर्शन - हीरक जयंती समारोह का आगाज उदयपुर भूपाल नोबल्स विवि के सभागार में हुआ।

हीरक जयन्ती समारोह के उद्घाटन और प्रथम सत्र में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि पंडित जी के दृष्टिकोण में राष्ट्र भौगोलिक सीमाओं से परे एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक इकाई के रूप में देखने की आवश्यकता है। देवनानी ने कहा कि पंडित जी के लिए राष्ट्र निर्माण का आधार केवल सीमाएं नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, स्वदेशी दृष्टिकोण और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के कल्याण में निहित है। वे राजनीति में संयम, त्याग और नैतिकता के प्रबल पक्षधर थे और अंत्योदय को स्वतंत्र भारत की आत्मा मानते थे।

देवनानी ने कहा कि वर्तमान में राजनीति के स्तर में भी गिरावट आई है इसके लिए समाज का बदलता स्वरूप जिम्मेदार है समाज का स्वरूप ही जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रतिबिम्बित होता है। स्वस्थ्य समाज और स्वस्थ्य सामाजिक परम्पराएं चहुओर स्वस्थ वातावरण तैयार करने का कार्य कर सकती है। प्रथम तकनीकी सत्र में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता प्रो. महेश चंद्र शर्मा ने 'राजनीतिज्ञ पंडित दीनदयाल उपाध्याय' विषय पर विचार रखते हुए कहा कि पंडित जी राजनीति में रहते हुए भी उससे अलिप्त भाव बनाए रखने के पक्षधर थे। वे विचारों की प्रतिस्पर्धा के बाद भी समभाव और सहयोग की संस्कृति में विश्वास रखते थे।

स्वागत उद्बोधन में विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने पं. उपाध्याय के विचारों की वर्तमान परिदृश्य में प्रांसगिकता और आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्र का निर्माण सीमाओं से नहीं, बल्कि संबंधों, संवेदना और समर्पण से होता है। हीरक जयन्ती समारोह कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए प्रो. मोहनलाल छीपा ने कहा कि पंडित जी की विचारधारा आज की चुनौतियों के समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। उन्होंने आह्वान किया कि दीनदयाल भाव केवल पुस्तक तक सीमित न रहकर प्रत्येक नागरिक के विचार और आचरण में समाहित हो।

प्रथम दिन हुआ इन विषयों पर मंथन पहले दिन राजनीतिज्ञ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, पत्रकार और साहित्यकार के रूप में पंडित जी विषय पर डॉ. एस. एस. उपाध्याय, डॉ. इन्दूशेखर तत्पुरुष, गोपाल शर्मा ने, संस्थान एवं गैर-सरकारी संगठनों में दीनदयाल दर्शन की भूमिका पर अतुल जैन , प्रो मोहन लाल छीपा, दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक प्रो. के. के. सिंह प्रो. महेन्द्र सिंह आगरिया, प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी ने विचार व्यक्त किए।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को उदयपुर में उदद्योगपति अरविन्द सिंघल की माता के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। देवनानी ने उदयपुर में सिंघल के निवास स्थल पर पहुंचकर उनकी माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजलि दी। देवनानी ने दिवगत आत्मा की शाति और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

करंट लगने से तीन की मौत

जयपुर। अजमेर के केकड़ी इलाके में एक निर्माणाधीन मकान में करंट लगने से एक बुजुर्ग महिला, उसकी बेटी और दामाद समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना बुधवार सुबह प्रेमा देवी (60) के निर्माणाधीन मकान में हुई। पुलिस ने बताया कि प्रेमा देवी के साथ उनकी बेटी माया और दामाद कंवरपाल भी घर में मौजूद थे और काम में उनकी मदद कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि कंवरपाल पाइप से नई बनी दीवार पर पानी छिड़क रहा था, तभी पानी दीवार के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार के संपर्क में आ गया। प्रेमा देवी और माया वहां ईंटें लगा रही थीं। जैसे ही कंवरपाल को करंट लगा, वह जमीन पर गिर पड़ा और दोनों महिलाएं भी उसके संपर्क में आने से करंट की चपेट में आ गईं। पुलिस ने बताया, तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि प्रेमा देवी की एक और बेटी इस घटना में झुलस गई है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

रिमझिम बारिश के बीच हुआ रन फॉर एनवायरमेंट का सफल आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) तथा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर होने वाले जनजागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में बुधवार को रिमझिम बारिश के बीच रन फॉर एनवायरमेंट का आयोजन हुआ। यह रैली अल्बर्ट हॉल से प्रारंभ होकर गांधी सर्किल से होते हुए पुनः अल्बर्ट हॉल पर समाप्त हुई।

रैली को राज्य सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान शर्मा ने उपस्थित जन को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने जल, वायु और भूमि को प्रदूषण से मुक्त बनाने और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए भी शपथ दिलाई। उन्होने राजकीय चिड़ियाघर में पौधारोपण किया और सभी से अधिकाधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जयपुर रनर्स क्लब, स्काउट एवं गाइड, एनसीसी, पुलिस, होमगार्ड, पर्यावरण विभाग, वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विभिन्न हितधारकों सहित लगभग 1200 लोगों ने भाग लिया। रैली के दौरान पुलिस, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड आदि मुस्तैद रहे। रैली के मार्ग में जगह- जगह पर ठण्डे पेय प्रदार्थों आदि की व्यवस्था रही, जिसके लिए प्लास्टिक ग्लास के बजाय कुल्हड़ का उपयोग किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हैड ऑफ फोरेस्ट फोर्स) अरिजीत बनर्जी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशासन) एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक, समन्वय पवन कुमार उपाध्याय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक सुशिखा मेहरा, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव शारदा प्रताप सिंह सहित मंडल के सभी अधिकारीगण व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

भाजपा कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में कर रही है राजनीति : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उदयपुर कन्हैयालाल हत्याकांड मामले को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अगर यह मामला राजस्थान पुलिस के पास रहता तो संभवतः कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही सजा सुना दी जाती परन्तु लगता है कि भाजपा केवल इस मामले पर राजनीति कर रही है और पीड़ितों को न्याय दिलाने का उनका इरादा नहीं है।

गहलोत ने बुधवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर भाजपा ने जमकर राजनीति की और इसे राजस्थान के चुनाव का मुख्य मुद्दा बना दिया था।

उन्होंने कहा कि घटना की रात को ही यह मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने ले लिया। भाजपा की केन्द्र सरकार के अधीन आने वाली एजेंसी एनआईए के पास यह मामला है परन्तु तीन साल केस चलने के बाद भी आज तक इस स्पष्ट प्रकृति के मामले में दोषियों को सजा नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि कन्हैयालाल के परिजनों ने बताया है कि इस केस को फास्ट ट्रैक नहीं चलाया जा रहा है। यह केस एनआईए कोर्ट जयपुर में विचाराधीन है।

एनआईए कोर्ट का एडिशनल चार्ज केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कोर्ट के न्यायाधीश के पास था जिनका तबादला हो गया है जिससे केस की सुनवाई नहीं हो पा रही। गत छह महीने से केस में कोई तारीख नहीं पड़ी है। इससे पहले गवाहों के बयान ही चल रहे थे परन्तु तीन मुख्य गवाहों के बयान अभी तक दर्ज नहीं किए गए। इस केस में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से अभी तक दो की जमानत हो चुकी है।

गहलोत ने कहा कि इस महीने कन्हैयालाल हत्याकांड को तीन वर्ष पूरे हो जाएंगे। राजस्थान पुलिस ने अपराधियों को मात्र चार घंटे में गिरफ्तार कर लिया था। कन्हैयालाल के परिजनों को 50 लाख रुपए मुआवजा एवं उनके दोनों पुत्रों को सरकारी नौकरी दी गई लेकिन भाजपा ने जनता में अफवाह फैलाई कि केवल पांच लाख रुपए मुआवजा दिया और पांच लाख, पचास लाख की राजनीति की।

यदि एनआईए यह केस नहीं लेती एवं राजस्थान पुलिस के पास यह केस रहता तो संभवतः हमारी सरकार के कार्यकाल में ही दोषियों को सजा सुना दी जाती परन्तु लगता है कि भाजपा केवल इस केस पर राजनीति कर रही है। पीड़ितों को न्याय दिलाने का उनका इरादा नहीं लगता है।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा

कल रामेश्वरम को रवाना होगी पहली एसी तीर्थ यात्री ट्रेन

जयपुर।राजस्थान में देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत पहली वातानुकूलित (एसी) तीर्थ यात्री ट्रेन शुक्रवार को राजधानी जयपुर से रवाना होगी जिसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। शर्मा राज्य की पहली एसी तीर्थ यात्री ट्रेन को पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस मौके देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत भी मौजूद रहेंगे। इस ट्रेन में छह जिलों के 776 यात्री रामेश्वरम जायेंगे जो 12 जून की देर रात तक वापस लौटेंगे।

कुमावत ने बताया कि पहली बार एसी ट्रेन से जा रहे हैं यात्री बजट वर्ष-2024-25 की घोषणा के शेष रहे 7200 में से 776 यात्रियों को रामेश्वरम भेजा जा रहा है। उन्हें बजट वर्ष-2025-26 की घोषणा के तहत एसी ट्रेन की सुविधा मिलेगी। यात्रा में पूरी तरह सुगमता का ध्यान रखा जाएगा। इस ऐसी ट्रेन की सजावट भी राजस्थानी संस्कृति को बढ़ावा देने के तहत की गई है। उन्होंने बताया कि इस बार के 50 हजार यात्रियों के लिए आवेदन की प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू की जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर करे काम : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा है कि पर्यावरण की समस्या नैसर्गिक नहीं है और पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। बागड़े बुधवार को यहां राजस्थान एनवायरनमेंट एंड एनर्जी कंजर्वेशन द्वारा आयोजित 'वर्ल्ड एनवायरमेंट डे समिट 2025' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिलकर प्रयास करें तो हम पर्यावरण का संरक्षण कर सकते हैं। उन्होंने ऐसे पेड़ लगाने पर जोर दिया जो अधिक से अधिक छांव दें और भरपूर ऑक्सीजन दें।

उन्होंने कहा कि बरगद और पीपल दिनरात ऑक्सीजन देते हैं।

उन्होंने ऐसे पेड़ लगाए जाने की आवश्यकता जताई जिनसे भरपूर छांव रहे। इससे भूमि गर्म नहीं होगी। भूमि गर्म नहीं होगी तो हवा गर्म नहीं होगी। इसी से पर्यावरण शुद्ध रहेगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि पेड़ लगेंगे तभी बारिश होगी। उन्होंने जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि पानी रोकने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

पानी रुकेगा तभी भूमिगत जल संरक्षण हो सकेगा। उन्होंने जलयुक्त गांव बनाए जाने का आह्वान करते हुए कहा कि आकाश से पानी गिरे तो उसे बहने नहीं दे और उसे वहीं रोकें। इसी से जल को बचा पाएंगे। महाराष्ट्र में ऐसे प्रयास हुए हैं। राज्यपाल ने कहा कि कुलाधिपति के रूप में उन्होंने विश्वविद्यालयों में खाली स्थानों पर पेड़ लगाने के लिए पत्र लिखा हैं। उन्होंने कार्यालयों, सार्वजनिक स्थानों पर स्व प्रेरणा से पेड़ लगाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संख्या की बजाय पनपने वाले बड़े पेड़ लगाएं और उनका संरक्षण करें। इसी से पेड़ों का पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक उपयोग हों सकेगा।

नगरीय विकास राज्य मंत्री झाबरमल खर्रा ने वृक्ष लगाने, जल संरक्षण और स्वच्छता के लिए किशोर और युवा वर्ग को आगे आकर पहल करने का आह्वान किया। उन्होंने नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि भावी पीढ़ी में जागरूकता आ जाएगी तभी यह सार्थक हो सकेगा।

एलन मस्क के पिता ने अयोध्या के राम मंदिर का दौरा किया, इसे अद्भुत अनुभव बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। दुनिया के शीर्ष उद्योगपतियों में शुमार एलन मस्क के पिता एरोल मस्क ने बुधवार अपराह्न अयोध्या में राम मंदिर का दौरा किया और इस अनुभव को ''अद्भुत'' और अपने अब तक के ''सबसे बेहतरीन कामों'' में से एक बताया। एरोल ने पास के हनुमानगढ़ी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। पहले उनका आगरा में ताजमहल देखने का भी कार्यक्रम था, लेकिन अत्यधिक गर्मी के कारण यह योजना रद्द हो सकती है।

एरोल ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''यह अद्भुत है, बिल्कुल अद्भुत (अयोध्या यात्रा)। यह मेरे द्वारा अब तक किए गए सबसे अच्छे कामों में से एक है। मुझे बहुत खुशी

है कि मैं इसे देखने आया और मंदिर के पूरा होने का इंतजार नहीं कर सकता, यह बड़ा मंदिर है, यह दुनिया के किसी अजूबे जैसा होगा।''

दोनों मंदिरों में दर्शन के बाद पत्रकारों से अलग-अलग बातचीत में उन्होंने कहा, ''भारत में मेरा अनुभव शानदार रहा है। मैं सर्वोटेक के साथ काम करना शुरू करने के लिए यहां (भारत में) आया हूं और देश में बहुत समय बिताने के लिए उत्सुक हूं। मंदिर अद्भुत हैं, और लोग भी अद्भुत हैं।''

एरोल अपनी बेटी एलेक्जेंड्रा मस्क के साथ अपराह्न करीब ढाई बजे अयोध्या हवाई अड्डे पर पहुंचे और शाम चार बजे के बाद वापस रवाना हो गये। राम मंदिर के दर्शन के दौरान उन्होंने कुर्ता-पायजामा पहना हुआ था। यात्रा के दौरान शहर में सुरक्षा कड़ी थी।

तेलंगाना मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में संदिग्ध खाद्य विषाक्तता से 92 मरीज बीमार

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री सी. दामोदर राजनरसिम्हा ने बुधवार को बताया कि यहां 'इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ' (आईएमएच) के 92 मरीज संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के कारण बीमार पड़ गए हैं। संस्थान में एक मरीज की मंगलवार को मौत हो गई और उसकी मौत के कारणों का पता लगाने के लिये जांच की जा रही है।

इनमें से 18 मरीजों की हालत स्थिर है और उन्हें सरकारी उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल (ओजीएच) में भर्ती कराया गया है। आईएमएच का दौरा करने के बाद राजनरसिम्हा ने पत्रकारों से कहा कि शेष 74 मरीजों की हालत भी स्थिर है और चिकित्सकों द्वारा उन्हें विशेष देखभाल दी जा रही है। कुछ दिनों में उनके स्वस्थ होने की उम्मीद है। हालांकि शुरू में संदेह था कि दूषित जल के कारण ये समस्या आई थी, लेकिन विश्लेषण से पता चला कि '95 प्रतिशत तक' जल दूषित नहीं है। मंत्री ने कहा कि दो जून को मरीजों को दिए गए भोजन की गुणवत्ता की जांच की जा रही है और रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में भोजन की आपूर्ति करने वाले ठेकेदार की सेवाएं समाप्त कर दी गई जबकि संदिग्ध खाद्य विषाक्तता की घटना के बारे में पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज करा दी गई है।

सिक्किम भूस्खलनः वायुसेना ने चाटेन क्षेत्र से दो अमेरिकी नागरिकों सहित 33 लोगों को निकाला

नई दिल्ली/भाषा। वायु सेना ने बुधवार को कहा कि उसने सिक्किम में विनाशकारी भूस्खलन के मद्देनजर मानवीय सहायता प्रयासों के तहत अपने संसाधनों को तैनात किया है और सुदूर चाटेन क्षेत्र से दो अमेरिकी नागरिकों सहित 33 लोगों को निकाला है। वायु सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट के साथ बचाव अभियान की तस्वीरें भी साझा कीं।

पोस्ट में कहा गया, ''सिक्किम में विनाशकारी भूस्खलन के मद्देनजर भारतीय वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टरों ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया - राहत सामग्री को गिराया, एनडीआरएफ के दलों को उतारा और सुदूर चाटेन क्षेत्र से दो अमेरिकी नागरिकों सहित फंसे हुए 33 लोगों को निकाला।'' इससे पहले दिन में, अधिकारियों ने कहा कि सेना के जवान उत्तरी सिक्किम के लाचेन गांव तक पैदल मार्ग बनाकर वहां फंसे 113 पर्यटकों तक पहुंचने में सफल हो गए हैं। यह क्षेत्र मंगन जिले में भारी बारिश के बीच हुए कई भूस्खलनों की वजह से बाकी राज्य से पूरी तरह से कटा हुआ था। दो दिन पहले लाचुंग और चुंगथांग से कम से कम 1,678 पर्यटकों को बचाया गया।

ओडिशाः पत्थर खदान से माओवादियों द्वारा लूटा गया एक टन विस्फोटक बरामद

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक पत्थर खदान के पास से माओवादियों द्वारा लूटा गया लगभग एक टन विस्फोटक सुरक्षा बलों ने बरामद कर लिया है। बुधवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

गत 27 मई को माओवादियों द्वारा लगभग 4 टन विस्फोटक, जिसमें अधिकतर जिलेटिन था, लूटे जाने के बाद ओडिशा पुलिस ने सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर, विशेष अभियान समूह (एसओजी) और कोबरा इकाई के साथ झारखंड के सारंडा जंगल में एक संयुक्त अभियान चलाया। डीआईजी (पश्चिमी रेंज) बृजेश राय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मंगलवार रात अभियान के दौरान सुरक्षा कर्मियों ने 1,000 किलोग्राम विस्फोटक बरामद कर लिया। उन्होंने कहा कि सोमवार को लगभग 2.5 टन विस्फोटक बरामद किया गया था। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि इससे पहले लगभग 157 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया गया था। उन्होंने बताया कि विस्फोटक घने जंगल में छुपाकर रखा गया था। 25-30 माओवादियों के एक समूह ने के. बालंग इलाके में बांको पत्थर खदान में विस्फोटक ले जा रहे ट्रक को लूट लिया था। अधिकारी ने बताया कि अब तक करीब 3.6 टन विस्फोटक बरामद किया जा चुका है।

आरसीबी के आईपीएल जीतने के जश्न की बेहतर योजना बनाई जानी चाहिये थी : बीसीसीआई सचिव सैकिया

नई दिल्ली/भाषा। बीसीसीआई ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की आईपीएल जीत के जश्न में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ के लिये तैयारियों में चूक को दोषी ठहराया जबकि आरसीबी टीम प्रबंधन ने कहा कि क्रिकेटप्रेमियों की भावनाओं के साथ हमदर्दी रखनी चाहिये । आरसीबी के 18 साल के इंतजार के बाद पहले आईपीएल खिताब जीतने से शहर में जश्न का माहौल था जो आज गम में बदल गया । स्टेडियम के बाहर लाखों की तादाद में प्रशंसक जुटे थे जिन पर पुलिस नियंत्रण नहीं सकी ।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पीटीआई से कहा ,'' यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है । यह लोकप्रियता का नकारात्मक पहलू है । लोग अपने क्रिकेटरों के लिये पागल हैं । आयोजकों को इसकी बेहतर योजना बनानी चाहिये थी । मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी संवेदनायें । मैं घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं ।'' उन्होंने कहा ,'' इस स्तर के जीत के जश्न के आयोजन के लिये पर्याप्त एहतियात बरती जानी चाहिये थे और सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखना था । कहीं न कहीं तो कोई चूक हुई है ।'' उन्होंने कहा ,'' आईपीएल के इतने शानदार अंत के बाद यह रंग में भंग हो गया । पहले भी आईपीएल जीत के जश्न हुए हैं जैसे पिछले साल केकेआर के जीतने पर कोलकाता में हुआ था लेकिन वहां कुछ नहीं हुआ ।'' उन्होंने पिछले साल भारत के टी20 विश्व कप जीतने के बाद मुंबई में हुए जश्न का उदाहरण दिया । उन्होंने कहा ,'' जब हमने टी20 विश्व कप जीता तो मुंबई में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ । पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर उसे सुचारू रूप से कराया। उम्मीद है कुछ और अप्रिय नहीं हो।''

असम में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति गंभीर, करीब 6.5 लाख लोग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति बुधवार को भी बहुत गंभीर बनी हुई है और लगातार बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में जलस्तर बढ़ गया और नए इलाके जलमग्न हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ब्रह्मपुत्र सहित सात नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जबकि गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा का पूर्वानुमान जताया है।

धुबरी, दक्षिण सलमारा-मनकाचर, ग्वालपारा और कोकराझार में गरज के साथ बारिश होने और बिजली चमकने तथा 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की मंगलवार रात की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हैलाकांडी, श्रीभूमि, मोरीगांव, कछार, सोनितपुर और तिनसुकिया जिलों में छह और लोगों की जान चली गई और 21 जिलों में लगभग 6.5 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इस वर्ष बाढ़ और भूस्खलन में मरने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 17 हो गई है। एएसडीएमए के एक अधिकारी ने बताया, सुबह से ही निचले असम के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। बारपेटा, बोंगाईगांव, नलबाड़ी, ग्वालपारा और बक्सा के कई स्थान प्रभावित हुए हैं।

कुल मिलाकर 21 जिलों के 69 राजस्व क्षेत्रों और 1,506 गांवों के 6,33,114 लोग बाढ़ से प्रभावित रहे।

राज्य में बाढ़ प्रभावितों के लिए कुल 223 राहत शिविर संचालित हैं, जो 39,746 विस्थापित लोगों को आश्रय प्रदान कर रहे हैं, जबकि 288 राहत वितरण केन्द्र भी चालू हैं।

असम के कुछ हिस्सों में ट्रेन सेवाएं प्रभावित

गुवाहाटी/भाषा। दक्षिणी असम के सिलचर समेत कई हिस्सों में भारी बारिश के परिणामस्वरूप रेल पटरियों पर बढ़ते जल स्तर और वाशिंग पिट्स में जलभराव के कारण ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफआर) के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एनएफआर के अन्य अधिकारी के मुताबिक भारी बारिश और भूस्खलन से बदरपुर-लुमडिंग पहाड़ी खंड को खतरा पैदा हो गया है, जो बराक घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। हालांकि रेल यातायात बाधित नहीं हुआ है तथा रेल मार्ग के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर कर्मचारियों और प्रौद्योगिकी की तैनाती की गई है। रेलवे पटरियों पर बढ़ते जल स्तर और सिलचर वाशिंग पिट्स में जलभराव को देखते हुए एनएफआर के कुछ खंडों पर ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

विपक्ष ने सरकार पर विशेष सत्र बुलाने की मांग से भागने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्ष के कुछ प्रमुख दलों ने सरकार द्वारा संसद के मानसून सत्र की घोषणा किए जाने के बाद बुधवार को आरोप लगाया कि सरकार पहलगाम आतंकी हमले के बाद घटनाक्रम पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाने की मांग से भाग खड़ी हुई है, लेकिन उसे कठिन सवालों के जवाब देने होंगे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को कहा कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति ने इन तारीखों की सिफारिश

की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि कभी भी ऐसा नहीं हुआ कि 47 दिन पहले संसद सत्र की तारीखों की घोषणा की जाए। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आम तौर पर संसद सत्र की तारीखों की घोषणा कुछ दिन पहले की जाती है। कभी भी सत्र शुरू होने से 47 दिन पहले तारीखें घोषित नहीं की गईं।'' उन्होंने दावा किया कि ऐसा केवल पहलगाम के निर्मम आतंकी हमले और हत्या करने वाले आतंकवादियों को न्याय के कठघरे में लाने में विफलता पर चर्चा करने के लिए तत्काल विशेष सत्र बुलाने की कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों द्वारा बार-बार की जा रही मांग से बचने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि ''ऑपरेशन सिंदूर के प्रभाव और इसके घोर राजनीतिकरण, सिंगापुर में सीडीएस के खुलासे, भारत एवं पाकिस्तान के बीच संबंध, पाकिस्तान वायु सेना में चीन की पैठ, मध्यस्थता पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार दावों और हमारी विदेश नीति तथा कूटनीतिक संपर्क की कई विफलताओं'' पर चर्चा से सरकार बचना चाह रही है।

रमेश ने कहा, ''मानसून सत्र में भी सर्वोच्च राष्ट्रीय महत्व के ये मुद्दे छाए रहेंगे। सरकार एक विशेष सत्र से भाग खड़ी हुई, लेकिन अब से छह सप्ताह बाद उन्हें बहुत कठिन सवालों का जवाब देना होगा।''

इतिहास नेहरू-गांधी परिवार के 'आत्मसमर्पणों' से भरा : भाजपा

राहुल सशस्त्र बलों का अपमान कर रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'आत्मसमर्पण' वाले बयान की आलोचना करते हुए बुधवार को कहा कि यह न केवल सशस्त्र बलों और देश का घोर अपमान है, बल्कि यह देशद्रोह से कम नहीं है।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि यदि किसी पाकिस्तानी ने ऐसा दावा किया होता तो ''हम उस पर हंसते''। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में मचाई गई तबाही के बाद पाकिस्तान की जनता से लेकर उसकी सेना और उसके प्रधानमंत्री ने भी ऐसा कहने की हिम्मत नहीं की लेकिन राहुल गांधी ऐसा बोल रहे हैं! उन्होंने कहा, ''यह देशद्रोह से कम नहीं है।''

नड्डा ने 'एक्स' पर कई पोस्ट में कहा, ''राहुल गांधी, आत्मसमर्पण आप करते होंगे, आपकी पार्टी ने किया होगा, आपके नेताओं ने आत्मसमर्पण किया होगा क्योंकि आपका इतिहास ही ऐसा रहा है लेकिन भारत कभी आत्मसमर्पण नहीं करता।'' उन्होंने कहा, ''आत्मसमर्पण आपकी पार्टी कांग्रेस के शब्दकोश में है, आपके डीएनए में है। आपने आतंकवाद के सामने आत्मसमर्पण किया, शर्म-अल-शेख में आत्मसमर्पण किया, 1971 की लड़ाई जीतने के बाद शिमला में आत्मसमर्पण किया, सिंधु

जल समझौते को लेकर आत्मसमर्पण किया, और यहां तक कि देश की आजादी के समय मुस्लिम लीग के भी सामने आत्मसमर्पण किया।''

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस नेता ने पड़ोसी देश के समर्थन में बोलने के मामले में पाकिस्तानी सेना प्रमुख, उसके प्रधानमंत्री और वहां के आतंकवादी सरगनाओं को भी पीछे छोड़ दिया है। त्रिवेदी ने भारत की प्रतिष्ठा और उसके सशस्त्र बलों की वीरता को कमतर आंकने के लिए पाकिस्तानी सेना प्रमुख और प्रधानमंत्री के उपनामों का उपयोग करते हुए गांधी को ''राहुल मुनीर'' और ''राहुल शरीफ'' कहा। उन्होंने भारत का विभाजन, ''चीन और पाकिस्तान द्वारा भारतीय भूभाग पर कब्जा करने'' समेत कांग्रेस के शासनकाल में हुई ऐतिहासिक घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि इतिहास नेहरू-गांधी परिवार के ऐसे 'आत्मसमर्पणों' से भरा पड़ा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए उन्हें ''भारत मां के 'मृगेंद्र' (शेर)'' बताया। त्रिवेदी ने कहा, ''राहुल गांधी और कांग्रेस का आत्मसमर्पण का इतिहास हो सकता है, लेकिन भारत कभी किसी के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेगा।'' उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी स्पष्ट कटाक्ष किया, जिनके भारत और पाकिस्तान की ओर से सैन्य कार्रवाइयों को रोकने में मध्यस्थता के बार-बार के दावों ने विपक्ष को मोदी सरकार पर हमला करने का एक मौका दे दिया।

भाजपा प्रवक्ता ने ट्रंप द्वारा यह 'पोस्ट' किए जाने का उल्लेख किया कि अमेरिका के उनके पूर्ववर्ती राष्ट्रपति जो बाइडन को 2020 में मार दिया गया था और उनकी जगह एक 'रोबोट क्लोन' को नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा, ''कोई कितना भरोसा कर सकता है... मैं अमेरिकी सरकार से भी पूछना चाहता हूं क्योंकि उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल हैंडल ''ट्रुथ''पर यह टिप्पणी की है। बेहतर होगा कि राहुल गांधी हमें बताएं कि क्या वह इस पर विश्वास करते हैं।'' उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों और विदेश मंत्रालय ने कई बार स्पष्ट किया है कि कोई तीसरा पक्ष मध्यस्थता नहीं कर रहा है। त्रिवेदी ने यह भी उल्लेख किया कि राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने एक बार मोदी से कहा था कि वह ''उस देश (पाकिस्तान) को रोक सकते हैं जो भारत को परेशान कर रहा है, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा था, 'नहीं, नहीं, हमने उन्हें कई बार सबक सिखाया है। ये मैं करूंगा।''

ओडिशा के अस्पताल में पांच मरीजों की मौत के बाद जांच के आदेश

कोरापुट/भाषा। ओडिशा के कोरापुट में शहीद लक्ष्मण नायक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कथित लापरवाही के कारण पांच मरीजों की मौत के बाद मामले की जांच के लिए दो अलग-अलग आदेश दिए गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

मंगलवार रात अस्पताल में भर्ती दो पुरुषों और तीन महिलाओं की कुछ घंटों के अंतराल में मौत हो गई। मृतक मरीजों के परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें कोई टीका दिया गया, जिसके बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान शुक्रा माझी, रुकुनी पेंतिया, फूलमती माझी, भगवान परीजा और बती खरा के रूप में हुई है।

अस्पताल के अधीक्षक सुशांत कुमार साहू ने बताया कि मामले की विभागीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ''हमने सभी विभागाध्यक्षों की बैठक बुलाई है। मंगलवार रात जिन मरीजों की मौत हुई, वे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती थे। प्रथम दृष्टया ऐसा नहीं लगता कि मौत किसी गलत टीके के कारण हुई। हालांकि, हम आरोपों की जांच करेंगे।''

साहू ने कहा कि गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में भर्ती मरीजों की हालत गंभीर थी और उन्हें गिरते रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए टीका दिया गया था। उन्होंने कहा कि पांच मृतक मरीजों में से दो के पेट में चोट थी, जबकि एक अन्य के लीवर में छेद था। उन्होंने कहा, हमें संदेह है कि उनकी मौत रक्तस्राव और सेप्टीसीमिया के कारण हुई है।

मेघालयः कैफे में तब्दील 140 साल पुराने थाने में ग्राहकों को परोसे जा रहे लजीज पकवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोहरा/भाषा। मेघालय के सोहरा में 140 साल पुराने एक पुलिस थाने को खूबसूरत कैफे में तब्दील किया गया है। सबसे ज्यादा बारिश वाले इलाकों में शुमार सोहरा में स्थित इस कैफे में अब ग्राहकों को लजीज पकवान परोसे जा रहे हैं।

साल 1885 में स्थापित सोहरा पुलिस थाने की इमारत मेघालय की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है। ब्रिटिश शासन के दौरान इस इमारत का इस्तेमाल एक कुख्यात हिरासत केंद्र के रूप में किया जाता था। हालांकि, अब इस थाने को 'सोहरा 1885' नाम के कैफे में तब्दील कर दिया गया है, जो खाने के शौकीन लोगों और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बनकर उभरा है। इस कैफे में इतिहास और आतिथ्य का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। ग्राहक 'कैफे 1885' में 'डाइनिंग रूम' में तब्दील की गई जेलों में अपने पसंदीदा पकवानों का लुत्फ उठा सकते हैं। कैफे से अर्जित मुनाफा पुलिस कल्याण के लिए दान कर दिया जाता है। सोहरा पुलिस थाने को कैफे में बदलने का विचार ईस्ट खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विवेक सईम ने दिया था, जो उस समय क्षेत्र (सोहरा) में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के रूप में तैनात थे। मेघालय पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके इस विचार का पूर्ण समर्थन किया। सईम ने कहा, मैं इतिहास में खास स्थान रखने वाले इस पुलिस थाने के साथ हमेशा से कुछ अलग करना चाहता था। मैंने सोहरा पुलिस थाने को कैफे में बदलने का विचार तब दिया था, जब मैं इलाके में डीएसपी था। मुझे पता था कि इतिहास में खास स्थान रखने के कारण यह भवन पर्यटकों को आकर्षित करेगा। मेघालय सरकार ने दो साल पहले जब सोहरा में अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात करने के लिए नये थाना भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी, तब पुरानी इमारत से आर्थिक लाभ हासिल करने के इरादे से इसे कैफे में बदलने की कवायद तेज हो गई।

तुमने मुझे 18 साल इंतजार कराया लेकिन यह पल इंतजार के लायक था : कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। अठारह साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल ट्रॉफी जीतने का जश्न मैदान पर उमड़े आंसुओं और अपने साथी खिलाड़ियों के साथ मनाने के बाद विराट कोहली ने अपना हाल ए दिल सोशल मीडिया पर भी साझा करते हुए लिखा कि यह पल इंतजार के लायक था ।

कोहली ने पंजाब किंग्स पर फाइनल में छह रन से मिली जीत के बाद इंस्टाग्राम पर लिखा ,'' इस टीम ने यह सपना सच कर दिया । इस सत्र को मैं कभी नहीं भुला सकूंगा । हमने पिछले ढाई महीने में इस सफर का

पूरा मजा लिया ।'' उन्होंने कहा ,'' यह आरसीबी के सभी प्रशंसकों के लिये है जिन्होंने खराब से खराब समय में भी टीम का साथ नहीं छोड़ा । यह बरसों की निराशाओं और दिल टूटने के सिलसिले के लिये है । यह टीम के लिये खेलते समय एक ही पल के योगदान के लिये है ।'' कोहली ने कहा ,'' जहां तक आईपीएल ट्रॉफी का सवाल है तो .. तुमने मुझे तुम्हे थामने और जश्न मनाने के लिये 18 साल तक इंतजार कराया लेकिन यह पल इंतजार के लायक था ।'' वहीं उन्होंने इंस्टाग्राम स्टेटस पर दक्षिण अफ्रीका और आरसीबी के पूर्व धुरंधर एबी डिविलियर्स के साथ तस्वीर साझा की है जिसमें उन्होंने आईपीएल ट्रॉफी को थामा हुआ है ।

इस तस्वीर पर कैप्शन में उन्होंने लिखा ,'' समान रूप से तुम्हारी भी बिस्कोटी (दोनों एक दूसरे को प्यार से यही बुलाते हैं) वहीं दूसरे स्टेटस में आरसीबी के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट के साथ ट्रॉफी को थामे हुए तस्वीर डाली है । इसमें कैप्शन में लिखा है ,'' शानदार प्रदर्शन पार्टनर । अब जाओ और असली काम करो और डाइपर्स बदलने के लिये तैयार हो जाओ ।''

भारतीय क्रिकेट के नये 'कैप्टन कूल' के तौर पर उभरे श्रेयस अय्यर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के 10 साल के खिताबी सूखे को पिछले बरस खत्म करने वाले श्रेयस अय्यर पंजाब किंग्स को पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन बनाने से बेहद मामूली अंतर से चूक गये लेकिन उन्होंने खुद को एक ऐसे कप्तान के रूप में स्थापित कर लिया है जिसकी भारत को शायद भविष्य में आवश्यकता हो सकती है ।

महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद अय्यर आईपीएल के तीन फाइनल में पहुंचाने वाले तीसरे कप्तान बन गए हैं। उनकी यह उपलब्धि बेहद ही खास है क्योंकि उन्होंने पिछले पांच सालों में तीन अलग-अलग

फ्रेंचाइजी टीमों के साथ ऐसा किया है। यह एक ऐसे खिलाड़ी के लिए काफी बड़ी बात है, जिसे इस महीने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। केकेआर ने पिछले साल उन्हें जाने दिया क्योंकि फ्रेंचाइजी को बड़ी रिटेंशन फीस (टीम में बनाये रखने की रकम) की उनकी मांग उचित नहीं लगी। केकेआर का यह नुकसान पंजाब किंग्स के लिए एक बड़ा फायदा साबित हुआ।

सुविचार

कृष्ण ने राधा से प्रेम नहीं मांगा, उन्हें राधा की मुस्कान ही जीवन भर का साथ लगती थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फसलों पर ग्रहण की 'चीनी चाल'

अमेरिका में दो चीनी नागरिकों का रोगाणु की तस्करी में लिप्त पाया जाना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि दुनिया में अस्थिरता फैलाने के लिए चीन खतरनाक प्रयोग कर रहा है। यून्किंग जियान और जुनयोंग लियू नामक इन चीनी नागरिकों ने अमेरिका में 'फ्यूजेरियम ग्रैमिनीरम' नामक रोगाणु कवक की तस्करी की थी, जो फसलों को चौपट कर सकता है। इससे अमेरिका को खाद्यान्न संकट का सामना करना पड़ सकता था और अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता था। अमेरिका में इस साजिश का पर्दाफाश हो गया। क्या चीन ने अन्य देशों में खेती-बाड़ी को निशाना बनाने के लिए ऐसे प्रयोग नहीं किए होंगे? कोरोना वायरस के प्रसार के बाद चीन ने पूरे मामले पर लीपापोती करने की कोशिश की थी। कई विशेषज्ञ तो इस बात को लेकर आशंका जताते हैं कि कोविड-19 के तौर पर चीन एक घातक जैविक हथियार बनाने पर काम कर रहा था, लेकिन किसी दुर्घटना या असावधानी के कारण वह प्रयोगशाला से बाहर आ गया था। जब चीनी सरकार को पता चला कि कोरोना वायरस फैल रहा है, तो उसने सद्भावना के तहत दुनिया को सचेत करने के बजाय अपने नागरिकों को विभिन्न देशों में भेजा था। इससे वायरस ने बड़ी महामारी का रूप ले लिया था। क्या चीन एक बार फिर कुछ वैसा ही करने की सोच रहा है? अमेरिका में चीनी नागरिकों ने 'फ्यूजेरियम ग्रैमिनीरम' नामक जिस रोगाणु कवक की तस्करी की, उसे वैज्ञानिकों ने कृषि आतंकवाद का हथियार बताया है। अगर उसका यह मंसूबा कामयाब हो जाता तो उसे एक भी गोली नहीं चलानी पड़ती और अमेरिका को अरबों डॉलर का नुकसान हो जाता।

साल 2020 में जब कई देशों में कोरोना वायरस का प्रसार हो गया था, तब ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, जिनमें चीनी नागरिक फलों, सब्जियों और खानपान से जुड़ीं चीजों पर थूकते नजर आए थे! दावा किया गया था कि वह सामग्री विदेशों को निर्यात की गई थी। उन वीडियो से ऐसे कयासों को बल मिला था कि चीनी नागरिक जानबूझकर ऐसी कोशिशें कर रहे थे, ताकि विदेशों में भी लोग संक्रमित हो जाएं। उस दौरान विदेशों में कई लोगों ने अज्ञात शख्स द्वारा उनके पतों पर चीनी भाषा में किताबें, पत्र आदि मिलने का दावा किया था, जिन्हें खोलने के बाद वे कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे! इन्सानों और पेड़-पौधों को संक्रमित कर नुकसान पहुंचाने के हथकंडे नए नहीं हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी ने ऐसी कोशिश की थी। उसने ब्रिटेन में आलू की फसल नष्ट करने के लिए खेतों में कोलोराडो बीटल नामक कीड़े छोड़ दिए थे। उनके लिए विमानों का इंतजाम किया गया था। हालांकि जर्मनी को ज्यादा कामयाबी नहीं मिली थी। अगर बड़ी तादाद में कीड़े छोड़े जाते तो ब्रिटेन में खानपान का संकट विकराल रूप ले सकता था। उन कोशिशों में जापान भी शामिल बताया जाता है, जो विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका और सोवियत संघ की ताकत तोड़ने के लिए उनके खेतों में गेहूं की फसल नष्ट करना चाहता था। हालांकि अमेरिका सावधान था। उसने पहले ही ऐसे रोगाणुओं का जखीरा इकट्ठा कर रखा था, जो जापान में चावल की फसल को नष्ट कर सकते थे। अगर आज चीन ऐसे प्रयोग कर रहा है तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यह देश जासूसी से लेकर रोगाणुओं से संबंधित खतरनाक प्रयोग तक बहुत गुपचुप तरीके से काम करता है। उसे कोरोना महामारी के लिए जवाबदेह ठहराने के साथ ही उसकी महत्त्वपूर्ण प्रयोगशालाओं को अंतरराष्ट्रीय संगठनों की निगरानी में लाना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि चीन की वजह से दुनिया दोबारा बड़े संकट का सामना करे।

ट्वीटर टॉक

उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने निर्माण भवन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मानसून पूर्व की तैयारियो की समीक्षा की। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मानसून में अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए।

-दीया कुमारी

मेरासिया में जयंती समारोह पूर्व मां नागणेच्या के मन्दिर में ज्योत दर्शन का सौभाग्य पाया। यह भक्ति और शक्ति की अद्भुत धरा है, जिस पर मां नागणेच्या की कृपा है। देवी मां की कृपा से आच्छादित इस भूमि की महानता वीरवर राव चांदा जी मेड़ातिया के पुरुषार्थ से भी जानी जाती है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सभी प्रदेशवासियों से अपील है कि वे जन सहभागिता के इस अभियान से जुड़ें। अपने गांव-शहर के तालाबों, नदियों और अन्य जल स्रोतों की साफ-सफाई के लिए श्रमदान करें और इन्हें स्वच्छ एवं संरक्षित बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

क्रोध का प्रायश्चित

एक बार बुद्धदेव अपने शिष्यों सहित सभा में विराजमान थे। शिष्यगण उन्हें काफी देर से मौन देखकर चिंतित थे कि कहीं वे अस्वस्थ तो नहीं हैं। एक शिष्य ने अधीर होकर पूछा, 'आप आज इस प्रकार मौन क्यों हैं? क्या हमसे कोई अपराध हुआ है?' फिर भी वे मौन ही रहे। तभी बाहर खड़ा एक व्यक्ति जोर से बोला आज मुझे सभा में बैठने की अनुमति क्यों नहीं दी गई? वह क्रोध से उद्विग्न था। एक उदार शिष्य ने उसका पक्ष लेते हुए बुद्धदेव से कहा, 'भगवन! उसे सभा में आने की अनुमति प्रदान करें। बुद्धदेव अपना मौन तोड़ते हुए बोले, 'नहीं! वह अस्पृश्य है, उसे आज्ञा नहीं दी जा सकती। शिष्यगण आश्चर्य में डूब गए। तब कई शिष्य बोल उठे कि वह अस्पृश्य क्यों? हमारे धर्म में जातपात का कोई भेद नहीं, फिर वह अस्पृश्य कैसे है? बुद्धदेव बोले वह आज क्रोधित होकर आया है। क्रोध से जीवन की पवित्रता भंग होती है। क्रोधी व्यक्ति मानसिक हिंसा करता है इसलिए किसी भी कारण से क्रोध करने वाला अस्पृश्य होता है। उसे कुछ समय तक पृथक एकांत में खड़ा रहकर प्रायश्चित करना चाहिए ताकि उसकी अस्पृश्यता दूर हो जाये। शिष्यगण समझ गए कि अस्पृश्यता क्या है और अस्पृश्य कौन है। उस व्यक्ति को भी पश्चाताप हुआ।

सामयिक

राम मंदिर के स्वर्ण शिखर की आभा से आलोकित हुआ राष्ट्र

डॉ. आशीष वशिष्ठ
मोबाइल : 9451005200

अयोध्या में राम मंदिर संपूर्ण विश्व में रचने-बसने वाले सनातनियों की शताब्दियों की प्रतीक्षा, संयम, धैर्य, अनुशासन और आस्था का प्रतीक है। यह राम नहीं, राष्ट्र मंदिर है। विरोधी भले ही सनातन और राम मंदिर का विरोध करते रहें लेकिन करोड़ों सनातनियों के हृदय में उनके आराध्य भगवान श्रीराम रचते-बसते हैं। भगवान राम के मंदिर को वह अपना पूजा स्थल ही नहीं, बल्कि उसे अपना सबसे बड़ा तीर्थ मानते हैं। मुख्य मंदिर यानी अपनी जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर के भूतल में कोटि-कोटि भक्तों के आराध्य रामलला तो पहले से ही प्रतिष्ठित हैं, अब आगामी पांच जून को इसी मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार के साथ परकोटे के बाकी 6 मंदिरों की भी प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इनमें गणेश, भगवान शिव, देवी भगवती, हनुमान जी, भगवान सूर्य, देवी अन्नपूर्णा और शेष अवतार के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह आयोजन अयोध्या के धार्मिक इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रहा है। त्रिदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 5 जून को गंगा दशहरा के पावन पर्व के दिन पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा। श्रीराम दरबार प्रतिष्ठित होने के साथ रामलाल से राजाराम तक की यात्रा पूर्ण होगी। इसी बीच राम जन्मभूमि मंदिर के शिखरों पर सोने की परत चढ़ाने का कार्य हो रहा है। यह कार्य मंदिर की भव्यता में चार चांद लगाएगा।

राम राष्ट्र की संस्कृति है, राम राष्ट्र के प्राण है, राम के मंदिर का मतलब भारत का नवनिर्माण है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर सनातनधर्मियों को कड़े संघर्ष से प्राप्त हुआ है, जिसका 550 सालों से अधिक का इतिहास है। इसमें 70 से अधिक बार का संघर्ष, जिसमें से अधिकतर मुगल आक्रांताओं द्वारा भारतवासियों और हमारे मंदिरों पर हमले का रक्तरंजित इतिहास शामिल है। अनगिनत आन्दोलनों के बाद अंततः 22 जनवरी 2024 के दिन हिन्दू समाज को अपने आराध्य प्रभु श्रीराम को जन्म भूमि पर निर्मित भव्य मंदिर में पुनर्स्थापित करने का गौरव प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान बनकर मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की। यह दिन भारत की आस्था, अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव की पुनर्स्थापना का दिन के तौर पर अंकित है।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए गोरक्षपीठ की 3 पीढ़ियों का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। वर्तमान में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस गोरखनाथ मठ के महंत हैं, उसी से अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन की शुरुआत हुई थी। योगी जी के गुरु महंत अवेद्यनाथ 12 सितंबर 2014 को ब्रह्मलीन हुए।

गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ के पास मंदिर आंदोलन के दौरान दो सबसे अधिक अहम पदों राम जन्म भूमि यज्ञ समिति और राम जन्म भूमि न्यास के अध्यक्ष था। ये दायित्व इस बात का प्रमाण है कि आजादी के आंदोलन के बाद देश की राजनीति की दशा और दिशा बदलने वाले राम मंदिर आंदोलन में उनका क्या कद था? महंत अवैद्यनाथ के गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ थे। योगी आदित्यनाथ भी इस आंदोलन को मुखरता प्रदान करते रहे हैं। वो कहते रहे हैं कि राम मंदिर चुनावी मुद्दा नहीं...मेरे लिए जीवन का मिशन है'। 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मंदिर परिसर में उपस्थित रहेंगे। विशेष बात यह है कि 5 जून को मुख्यमंत्री का जन्मदिन भी है।

हिन्दू बहुल देश में प्रभु श्री राम की जन्मस्थली को मुक्त करवाने में जिस तरह के अवरोध उत्पन्न किए गए वे अकल्पनीय हैं। यदि सोमनाथ के साथ ही राम जन्मभूमि का मसला भी तत्कालीन नेहरू सरकार सुलझा लेती तब शायद इसे लेकर राजनीति करने का किसी को अवसर नहीं मिलता। लेकिन आजादी से लेकर आजतक कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। वर्ष 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है। वर्तमान में, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई नेता राम मंदिर और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानबाजी करने से बाज नहीं आते।

स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार संसद में कहा था कि, राम मंदिर का निर्माण राष्ट्रीय स्वाभिमान का मुद्दा है। उनका वह वक्तव्य सही मायने में एक संदेश था जिसमें राजनीति नहीं थी। सही बात तो ये है कि राम मंदिर का विरोध करने वालों ने ही इसे वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा बना दिया। कांग्रेस और अन्य कुछ दल मुस्लिम मतों के कारण इस मुद्दे पर हिंदुओं के न्यायोचित दावों की अनदेखी करते रहे। प्रतिक्रिया स्वरूप इस मामले ने दूसरा मोड़ ले लिया। लेकिन दुर्भाग्य है कि देश की बहुसंख्यक आबादी के आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करवाने का कार्य न्यायालय के निर्णय से संभव हो सका। और वह प्रक्रिया भी वर्षों नहीं दशकों तक चली। सबसे बड़ी बात ये हुई कि बाबरी ढांचे की तरफदारी मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ ही साथ धर्मनिरपेक्षता के झंडाबरदार बने हिन्दू नेतागण भी करते रहे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, शताब्दियों का संघर्ष अब अयोध्या में प्रत्यक्ष साकार रूप में फलीभूत होता दर्शित हो रहा है। भारत के कण-कण में राम हैं। राम मंदिर में राम दरबार के साथ परकोटे के बाकी 6 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की सुप्त आत्मा को जागृत करने का काम करेगी। राम मंदिर के निर्माण से सशक्त राष्ट्र का निर्माण होने वाला है। भारत की जय जयकार दुनिया में हो रही है। यह वास्तव में भारत की सुप्त आत्मा है। यही भारत को दुनिया के अंदर सर्वशक्तिशाली बनायेगी। भारत के प्रत्येक व्यक्ति के मन में जो रामभक्ति है वहीं राष्ट्रभक्ति है। राजनीति तोड़ने का कार्य करती है, धर्म जोड़ता है। राम मंदिर ने देश को जोड़ दिया है। अभी हाल ही में ऑपरेशन सिन्दूर में हमारे सैनिकों ने जिस पराक्रम का प्रदर्शन किया है उससे न केवल शत्रु बल्कि पूरी दुनिया अचम्भित है। ये बढ़ते हुए सशक्त भारत की एक झलक मात्र है।

राष्ट्रीय अस्मिता और अखण्डता भी अयोध्या से जुड़ी है। श्रीराम मंदिर केवल धार्मिक आस्था का प्रश्न नहीं है, इसके साथ भावी सामाजिक संरचना की संकल्पना भी जुड़ी है। व्यक्ति और राष्ट्र का चरित्र निर्माण, कालसापेक्ष किन्तु कालातीत दर्शन और दृष्टि का सृजन बीज राम मंदिर निर्माण और उसकी भव्यता में निहित है। राम मंदिर का दूसरा पहलू राष्ट्र मंदिर के रूप में स्थापित है और इस भावना के अनुरूप यह परिसर आस्था के साथ राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीय एकता और समाज निर्माण के प्रति भी महनीय भूमिका का निर्वहन करने को तैयार है। विश्वभर में रचने और बसने वाले हिन्दू धर्मावलम्बी राम मंदिर की दूसरी प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उत्साहित हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि 5 जून की तिथि विश्व इतिहास में सदा के लिए अमर रहेगी। श्रीराम मंदिर के शिखर की स्वर्णिम आभा से सम्पूर्ण विश्व में सुख, समृद्धि, शांति, सद्भावना और सहिष्णुता का प्रकाश फैले और भारत फिर एक बार विश्व गुरु के तौर पर स्थापित हो, यही कामना है।

नजरिया

शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर मचा सियासी तूफान!

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

हाल ही में पुणे की एक 22 वर्षीय लॉ स्टूडेंट और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी ने भारत में अभिव्यक्ति स्वतंत्रता और धार्मिक संवेदनशीलता के बीच की बहस को फिर से पैदा कर दिया है। शर्मिष्ठा को कोलकाता पुलिस ने ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित एक वीडियो में कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियां करने के मामले में गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। हालांकि, मामले को बढ़ता देख शर्मिष्ठा ने पहले ही बिना शर्त के माफी मांग ली थी, लेकिन कई राजनेता शर्मिष्ठा की आलोचना करते हुए गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। दरअसल, शर्मिष्ठा ने अपनी वीडियो में उन अभिनेताओं की आलोचना की थी। जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी। वह कथित तौर पर एक यूजर को जवाब दे रही थीं, जिसने पूछा था कि भारत ने बिना किसी कारण के पाकिस्तान पर गोलीबारी क्यों की। शर्मिष्ठा ने अपनी वीडियो में कथित तौर पर अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया था। वहीं, 14 मई को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने एक्स पर पनोली के वीडियो को शेयर करते हुए दावा किया कि शर्मिष्ठा ने इस्लाम का अपमान किया है और उनकी टिप्पणी सांप्रदायिक विद्वेष को बढ़ावा देती है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को टैग किया और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। इसी के बाद मामले ने तूल पकड़ा और सोशल मीडिया पर उनकी गिरफ्तारी की मांग बढ़ने लगी। शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल की कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम की इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली केस में बड़ा ट्विस्ट सामने लाया है। पुलिस ने शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायत दर्ज करने वाले वजाहत खान के खिलाफ भी कार्रवाई की है। पुलिस ने शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ़्तारी में शिकायतकर्ता वजाहत खान के ख़िलाफ़ मामला दर्ज किया है। शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बाद पहले वजाहत खान के लापता होने की जानकारी सामने आई थी। शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बाद वजाहत रशीद पर हिंदू देवी-देवताओं के अपमान के आरोप लगे थे। असम पुलिस ने वजाहत को गिरफ्तार करने के लिए टीम भेजी थी। वजाहत खान के खिलाफ असम में एक केस दर्ज किया गया है। इससे पहले असम सरकार ने वजाहत को गिरफ्तार करने के लिए बंगाल सरकार से मदद मांगी थी। आपको बता दे कौन हैं वजाहत खान? वजाहत रशीद कोलकाता स्थित 'रशीदी फाउंडेशन' के सह-संस्थापक है। वजाहत ने 22 साल की शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद ही कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम से पनोली को अरेस्ट किया था। इसके बाद वजाहत ने सोशल मीडिया पर गिरफ्तारी का जश्न भी मनाया था। इसके बाद उसकी पिछली हिस्ट्री भी सामने आ गई थी। जिनमें उन्होंने हिंदू धर्म, भगवान कृष्ण, कामाख्या देवी मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों और हिंदू त्योहारों को लेकर आपत्तिजनक बातें लिखी थीं। इनमें से कुछ पोस्ट उन्होंने बाद में डिलीट भी की थीं। इसके बाद असम में मामला दर्ज हुआ था। इसके साथ ही अमिता सचदेवा ने भी दिल्ली के साकेत साइबर थाने में वजाहत रशीद के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। अब कोलकाता पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज की ली है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने वजाहत खान के खिलाफ दर्ज केस की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देवी मां कामाख्या के खिलाफ एक व्यक्ति द्वारा की गई अस्वीकार्य टिप्पणियों के संदर्भ में असम पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है और हम उस व्यक्ति को कानून का सामना करने के लिए असम लाने में पश्चिम बंगाल सरकार से सहयोग मांगेंगे। समाचार पत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार शर्मिष्ठा पनोली स्वयं भी कानून की जानकर है वह पुणे लॉ यूनिवर्सिटी में कानून की छात्रा हैं। जब शुक्रवार को गुरुग्राम में उनके घर की घंटी बजी, सामने कोलकाता पुलिस थी। पुलिस ने कहा, आपको गिरफ्तार किया जा रहा है। आखिर शर्मिष्ठा ने ऐसा क्या किया कि पुलिस को 1500 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी? शर्मिष्ठा ने ऐसा क्या किया कि वह पूरे देश की राजनीति का केंद्र बन गई हैं? उनकी गिरफ्तारी के बाद ममता सरकार की आलोचना क्यों हो रही है? क्या उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है या फिर उनके 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ विवादित पोस्ट की वजह से हुई है, जिसे उन्होंने डिलीट भी कर दिया था? ममता की पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने में इतनी तेजी क्यों दिखा रही है? इन सभी सवालों पर बात करने से पहले जानते हैं शर्मिष्ठा के विवाद और उनकी गिरफ्तारी की कहानी।

दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने प्रतिक्रिया करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। इस ऑपरेशन पर देश-विदेश के लोगों ने प्रतिक्रिया दी थी। इसी दौरान पुणे लॉ कॉलेज की एक स्टूडेंट, जो उभरती हुई सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं, ने कुछ ऐसा कहा कि सोशल मीडिया, खासकर एक्स पर उनके खिलाफ हैशटैग बायकॉट होने लगा। सोशल मीडिया पर -रीशींड्ढरीळींहर ट्रेंड करने लगा।

शर्मिष्ठा ने ऽऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि भारत अब सिर्फ गांधी का फैन नहीं है। अगर तुम आंख दिखाओगे तो तुम्हारे घर में घुसकर मारेगा। दरअसल, वह अपने पूरे वीडियो में पाकिस्तान और पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ बोल रही थीं। हालांकि, उन्होंने अपने डिलीट किए गए वीडियो में खास समुदाय (पाकिस्तान के) के खिलाफ भी बोला था। उनका कहना था कि अगर किसी निर्दोष की हत्या कर जन्नत जाने की नियत रखते हो, तो यह तुम्हारी गलतफहमी है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने जो शब्द प्रयोग किए थे वे किसी भी प्रकार से उचित नहीं थे।

विवाद बढ़ने के बाद शर्मिष्ठा ने मैच्योरिटी दिखाते हुए पहले वीडियो डिलीट किया था, फिर वीडियो पोस्ट जारी करते हुए माफी मांगी। फिर भी ममता बनर्जी को ममता' क्यों नहीं दिखा रही हैं? आखिर ममता सरकार एक लड़की को अरेस्ट कर सजा दिलाने की जिद पर क्यों अड़ी हैं? कहीं ममता सरकार अगले साल की विधानसभा चुनाव की तैयारी में तो नहीं हैं? किसी खास समुदाय को खुश करने के लिए ममता सरकार कहीं अति कदम तो नहीं उठा रही हैं? पश्चिम बंगाल में एक खास समुदाय ममता का कोर वोटर है। एक सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर को गिरफ्तार कर, ममता अपनी वफादारी का सबूत देने की फिराक में तो नहीं हैं?

दरअसल, शर्मिष्ठा के इंस्टाग्राम वीडियो पर ऐतराज जताते हुए किसी ने पुलिस केस दर्ज कराया। मगर, उनके घर कानूनी नोटिस जाने से पहले ही वह परिवार संग कोलकाता छोड़ चुकी थीं। गिरफ्तारी को लीड कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनके वीडियो के संबंध में केस दर्ज था। इसमें एक खास समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई थी। इसलिए उनकी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसी दिन अलीपुर के सीजेएम कोर्ट में पेश कर पुलिस हिरासत की मांग की थी।

गिरफ्तारी के बाद शर्मिष्ठा को 31 मई 2025 को अलीपुर सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया था। पुलिस हिरासत की मांग की गई थी, मगर कोर्ट ने उनकी मांगों को खारिज करते हुए शर्मिष्ठा को 13 जून 2025 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अगर इसे उनकी कानूनी जीत कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। शर्मिष्ठा के वकील मोहम्मद शमीमुद्दीन ने उनका बचाव किया है। अब, इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि शर्मिष्ठा ने इंस्टाग्राम से विवादित वीडियो हटा लिया और एक्स पर माफी मांगी, फिर भी उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। कोर्ट ने उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की। कुछ एक्स पोस्ट के अनुसार, शर्मिष्ठा ने कोर्ट में उत्पीड़न का आरोप लगाया और कहा, यह लोकतंत्र नहीं, मजाक है। उन्होंने खुद को घायल शेरनी बताया तक बताया ।

शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी ने पश्चिम बंगाल में सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। विपक्षी नेताओं ने सीएम ममता बनर्जी सरकार पर चुनिंदा कार्रवाई और तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया।समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों के लिए सख्त कानून की मांग की। उन्होंने कहा, 'ऐसे लोगों के खिलाफ कम से कम 10 साल की सजा वाला कानून बनना चाहिए।' बीजेपी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने शर्मिष्ठा के समर्थन में इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'मैं मानती हूं कि शर्मिष्ठा ने कुछ अप्रिय शब्दों का इस्तेमाल किया, लेकिन आजकल ज्यादातर युवा ऐसे शब्दों का उपयोग करते हैं। उन्होंने अपने बयानों के लिए माफी मांगी और यह काफी होना चाहिए। उन्हें और परेशान करने की जरूरत नहीं है। उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए।'

बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर हिंदू आवाजों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'महुआ मोइत्रा के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्होंने देवी काली के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। क्या कोई कार्रवाई हुई? टीएमसी सांसद सायोनी घोष ने महादेव के बारे में क्या पोस्ट किया? क्या कोई कार्रवाई हुई? सिर्फ सनातनियों के खिलाफ कार्रवाई होती है। ये तुष्टिकरण की राजनीति है।'बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने भी ममता बनर्जी पर पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'ये केवल बंगाल की बात नहीं है- यह इस बारे में है कि एक युवा हिंदू महिला को वोट बैंक को खुश करने के लिए निशाना बनाया जा रहा है।'

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि शर्मिष्ठा ने अपनी गलती स्वीकारी और माफी मांग ली। उन्होंने टीएमसी पर सनातन धर्म का मजाक उड़ाने का आरोप लगाते हुए कहा, 'जब हमारी आस्था को कुछ कहा जाता है, तब आक्रोश कहां था? उन्होंने माफी क्यों नहीं मांगी? उनको तुरंत क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया?' कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने एक्स पर कहा, 'सोशल मीडिया पोस्ट के लिए अंतरराज्यीय गिरफ्तारियां (जब तक यह स्पष्ट रूप से सिद्ध न हो कि इससे कानून और व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हुई है) पुलिस शक्तियों का स्पष्ट दुरुपयोग है।' यही नहीं शर्मिष्ठा को विदेश से भी समर्थन मिल रहा है। नीदरलैंड के सांसद गीर्ट वाइल्डर्स से भी समर्थन मिला है, उन्होंने कहा कि उनकी (शर्मिष्ठा) की गिरफ्तारी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए अपमान है। दक्षिणपंथी फॉर फ्रीडम के नेता ने प्रधानमंत्री मोदी से अपील की है कि वह शर्मिष्ठा की रिहाई सुनिश्चित करें।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कश्मीर के लिए ट्रेन: महाराजा प्रताप सिंह का सपना वास्तविकता में बदला

रियासी/भाषा

शिवालिक और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से कश्मीर घाटी तक ट्रेन चलाने की एक शताब्दी से भी अधिक पुरानी महत्वाकांक्षी योजना शुक्रवार को तब साकार हो जायेगी, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कटरा से कश्मीर तक वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। मोदी चिनाब पुल का भी उद्घाटन करेंगे, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे 'आर्च ब्रिज' होगा। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''19वीं शताब्दी में डोगरा महाराजा प्रताप सिंह द्वारा प्रस्तावित एक परिकल्पना अब स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचागत उपलब्धियों में से एक बन गई है।''

महाराजा हरि सिंह के पोते एवं पूर्व सदर-ए-रियासत कर्ण सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि उन्हें गर्व है कि डोगरा शासक की लगभग 130 साल पहले बनाई गई योजना आखिरकार साकार हो गई है। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''कश्मीर घाटी तक रेलवे लाइन परियोजना की परिकल्पना और रूपरेखा महाराजा प्रताप सिंह के शासनकाल में बनाई गई थी। यह न केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि यह सपना हमारे प्रधानमंत्री द्वारा साकार किया जायेगा।''

डोगरा शासक ने ब्रिटिश अभियंताओं को कश्मीर तक रेल मार्ग के लिए इलाके का सर्वेक्षण करने का काम सौंपा था, यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना थी जो एक शताब्दी से भी अधिक समय तक अधूरी रही। उन्होंने विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने और उसे क्रियान्वित करने के लिए तीन ब्रिटिश अभियंताओं को नियुक्त किया। हालांकि, 1898 से 1909 के बीच 11 वर्षों में तैयार की गई तीन में से दो रिपोर्ट अस्वीकार कर दी गईं थी।

जम्मू-कश्मीर अभिलेखागार विभाग के विशेष दस्तावेजों के अनुसार, कश्मीर तक रेल संपर्क का विचार पहली बार एक मार्च 1892 को महाराजा द्वारा प्रस्तावित किया गया था। इसके बाद, जून 1898 में, ब्रिटिश इंजीनियरिंग फर्म 'एस आर स्कॉट स्ट्रैटन एंड कंपनी' को सर्वेक्षण करने और परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए नियुक्त किया गया। डी ए एडम द्वारा प्रस्तुत पहली रिपोर्ट में जम्मू और कश्मीर क्षेत्रों के बीच एक इलेक्ट्रिक रेलवे की सिफारिश की गई थी, जिसमें दो फुट छह इंच की एक संकरी लाइन पर भाप इंजन का इस्तेमाल किया गया था। चुनौतीपूर्ण ऊंचाई स्तरों के कारण इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया था। वर्ष 1902 में डब्ल्यू जे वेटमैन द्वारा प्रस्तुत एक अन्य प्रस्ताव में झेलम नदी के किनारे एबटाबाद (अब पाकिस्तान में) से कश्मीर को जोड़ने वाली रेलवे लाइन का सुझाव दिया गया था। इसे भी अस्वीकार कर दिया गया। वाइल्ड ब्लड द्वारा प्रस्तुत तीसरे प्रस्ताव में रियासी क्षेत्र से होकर चिनाब नदी के किनारे रेलवे लाइन बिछाने की सिफारिश की गई थी। इस रिपोर्ट को मंजूरी दे दी गई। बाद में, उधमपुर, रामसू और बनिहाल के निकट विद्युत रेलगाड़ियां चलाने और बिजली स्टेशन स्थापित करने की योजनाओं की भी जांच-पड़ताल की गई, लेकिन अंततः उन्हें अस्वीकार कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह विचार लगभग छह दशक बाद पुनर्जीवित हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1983 में जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर रेलवे लाइन की आधारशिला रखी।

रैली

वामपंथी दलों के सदस्यों ने बुधवार को कोलकाता में विभिन्न मुद्दों पर विरोध रैली निकाली।

पाकिस्तान समस्या का समाधान सेना नहीं, समग्र दृष्टिकोण है : पूर्व उच्चायुक्त राघवन

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान में भारत के उच्चायुक्त रह चुके टी सी ए राघवन ने दोनों देशों के बीच तनाव के मद्देनजर कहा कि इस समस्या का कोई सैन्य समाधान नहीं है तथा इसके लिए एक अधिक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें कूटनीतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक साधनों सहित भारत की पूरी ताकत का लाभ उठाया जा सके। राघवन ने मंगलवार को 'इंडिया हैबिटेट सेंटर' में 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर भारत-पाकिस्तान संबंध' विषय पर अपने विचार रखते समय इस बात पर जोर दिया कि भारत का वास्तविक प्रभाव उसकी आर्थिक जीवंतता, सामाजिक बहुलवाद, संस्थागत लचीलेपन और सांस्कृतिक पहुंच में निहित है, न कि केवल उसकी सैन्य शक्ति में।

पाकिस्तान में सात साल तक सेवा देने वाले पूर्व राजनयिक ने कहा कि दरअसल पाकिस्तानी सेना भारत की सैन्य शक्ति से खतरा महसूस नहीं करती, बल्कि वह ''उसके सामने खड़ा होना चाहती है''। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तानियों को आपकी सेना की चिंता नहीं है, बल्कि एक राष्ट्र के रूप में आपकी समग्र प्रगति - आपकी आर्थिक वृद्धि, आपकी सामाजिक प्रगति, आपके समाज की बहुलता और आपकी संस्थाओं की ताकत उसकी चिंता है। यही वह चीज है जिससे वे वास्तव में डरते हैं... कोई सैन्य समाधान नहीं है, आपको अपनी पूरी ताकत लगानी होगी।''

राघवन ने कहा, ''वास्तविक अर्थों में आपकी ताकत बहुत बड़ी है.... वास्तव में आपका सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से आधिपत्य पाकिस्तान की चिंता है। इसलिए अगर हम पूरी तरह से सुरक्षा आधारित संबंध की ओर बढ़ते हैं तो यह सब एक तरफ रह जाएगा। आपको पाकिस्तान से केवल दो, तीन या पांच साल के लिए ही नहीं, बल्कि बहुत लंबे समय के लिए निपटना है तथा यह देखते हुए आपको अधिक व्यापक दृष्टिकोण की जरूरत है।''

पूर्व राजनयिक ने इस बात को रेखांकित किया कि पाकिस्तान के साथ स्थिति महज एक ''सामरिक या सैन्य मुद्दा'' नहीं है।

संरा में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को एक पत्रकार ने घेरा

न्यूयॉर्क/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के उस बयान को लेकर एक पत्रकार ने यहां उनको आड़े हाथ लिया जिसमें उन्होंने भारत में मुस्लिमों की कथित तौर पर ''खराब और खतरनाक छवि'' पेश किये जाने को लेकर टिप्पण की थी।

भारत के साथ हालिया संघर्ष के बारे में दुनिया को जानकारी देने के लिए रवाना हुए पाकिस्तानी विशेषज्ञों की एक टीम का नेतृत्व कर रहे बिलावल मंगलवार को मीडिया को अपने दृष्टिकोण से अवगत करा रहे थे। सवाल-जवाब सत्र के दौरान, मिस्र-अमेरिकी पत्रकार अहमद फातही, जो कि अमेरिकी टेलीविजन समाचार (एटीएन) के संयुक्त राष्ट्र में संवाददाता हैं, ने बिलावल से मुसलमानों के साथ भारत के व्यवहार पर उनकी टिप्पणियों के बारे में पूछा और उन्हें याद दिलाया कि संघर्ष के दौरान मीडिया को जानकारी देने वाली एक भारतीय मुस्लिम सैन्य अधिकारी थीं। फातही ने कहा, ''मैं आज आपके (बिलावल) द्वारा दिए गए एक बयान से शुरुआत करना चाहता हूं, जिसमें कहा गया है कि कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले का इस्तेमाल भारत में मुसलमानों को बदनाम करने के लिए एक राजनीतिक उपकरण के रूप में किया जा रहा है। महोदय, मैंने दोनों पक्षों की ओर से प्रेस को घटनाक्रम से अवगत कराने के कार्य को देखा है, जहां तक मुझे याद है भारतीय पक्ष की ओर से मीडिया को अवगत कराने का काम एक मुस्लिम भारतीय सैन्य अधिकारी कर रही थीं।''

वह अपना दूसरा सवाल पूछने ही वाले थे कि बिलावल ने उन्हें बीच में ही रोक दिया। इसके बाद पाकिस्तानी नेता ने भारत की आलोचना की और हमेशा की तरह बयानबाजी जारी रखी।

पहलगाम में 22 अप्रैल के आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। इसके बाद भारत ने सात मई की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकी ढांचे पर हमला कर दिया।

फिल्म 'कुस्ती' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अंजना सिंह की आने वाली फिल्म 'कुस्ती' का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज़ कर दिया गया है। अंजना सिंह पोस्टर में ज़मीन पर विरोधी को चित करती नज़र आ रही हैं। फिल्म 'कुस्ती' एक फ्रेश और मनोरंजक कहानी के साथ तैयार की गई है, जिसमें एक्शन, फन और ड्रामा का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा। निर्देशक देव पाण्डेय ने बताया कि यह फिल्म दर्शकों को रोमांच से भरपूर अनुभव देगी और भोजपुरी सिनेमा को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी। निर्माता प्रदीप सिंह और प्रतीक सिंह ने बताया कि 'कुस्ती' सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक सामाजिक संदेश और मनोरंजन का ज़रिया है। उन्होंने अंजना सिंह को धाकड़ गर्ल बताते हुए कहा कि यह फिल्म उनके करियर की एक अहम मील का पत्थर साबित होगी। फिल्म 'कुस्ती' में अंजना सिंह के अलावा जय यादव, देव सिंह, सुशील सिंह, मनोज टाइगर, प्रकाश जैस, जे. नीलम, विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला, कनचन मिश्रा, विद्या सिंह, निश्चा सिंह समेत कई जाने-माने चेहरे नजर आएंगे। चाइल्ड आर्टिस्ट आर्यन बाबू और अदिति सिंह की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। फिल्म 'कुस्ती'को वर्ल्ड वाइड फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित किया गया है। संगीत साजन मिश्रा ने दिया है, जबकि गीतकार राजेश पाण्डेय और ऋषि ग्वाला हैं। फिल्म की कहानी विनय सिंह की है और स्क्रिप्ट राजेश पाण्डेय और निशांत पाण्डेय ने लिखी है।

फिल्म 'द राजा साहब' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार प्रभास की फिल्म द राजा साहब 05 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। द राजा साहब के मेकर्स ने इसकी भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ की तारीख 05 दिसंबर फाइनल कर दी है। इस फिल्म का टीज़र 16 जून को रिलीज़ होने वाला है।

एक नए अंदाज़ में नजर आने वाले प्रभास द राजा साहब में लीड रोल निभा रहे है। यह उनका पहला पूरा हॉरर एंटरटेनर है। यह एक बोल्ड कदम है, जो उनकी लगातार बदलती एक्टिंग जर्नी और बेखौफ स्टोरीटेलिंग को दिखाता है। मारुथी के निर्देशन में बनी द राजा साहब एक डरावनी लेकिन जबरदस्त एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म होने का वादा करती है।

पीपुल मीडिया फैक्ट्री के सहयोग से बनी फिल्म द राजा साहब एक शानदार विज़ुअल ट्रीट है, जिसे भव्य स्केल पर और बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यूज़ के साथ तैयार किया गया है। फिल्म के निर्माता टी.जी. विश्व प्रसाद हैं। सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं कार्तिक पलानी, और थमन एस दे रहे हैं एक धमाकेदार और ज़बरदस्त म्यूज़िक स्कोर, जिसका सबको बेसब्री से इंतज़ार है। इस फिल्म की कास्ट में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और ऋद्धि कुमार शामिल हैं।

क्रिमिनल जस्टिस 4 की रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी की कोर्टरूम ड्रामा सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस: अ फैमिली मैटर' ने ओटीटी इतिहास में नया रिकॉर्ड बना दिया है और (ऑरमैक्स के अनुसार) पहले ही दिन 84 लाख व्यूज़ के साथ हिंदी ओरिजिनल कैटेगरी में अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग हासिल की है । जियोहॉटस्टार पर रिलीज़ के कुछ ही घंटों में यह शो किसी भी हिंदी स्पेशल के लिए सबसे ज़्यादा देखे जाने वाला कंटेंट बन गया और इसे एक सांस्कृतिक और डिजिटल घटना के रूप में पहचान मिली। बीबीसी स्टूडियोज़ इंडिया के सहयोग से अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और रोहन सिप्पी द्वारा निर्देशित यह सीरीज 29 मई को तीन एपिसोड के साथ शुरू हुई थी। अब हर हफ्ते एक नया एपिसोड रिलीज़ किया जा रहा है।

यह शो अपनी भावनात्मक कहानी, गहराई से गढ़े गए किरदारों और दमदार अभिनय के चलते देशभर के दर्शकों के दिलों से जुड़ गया है। इस सीजन में पंकज त्रिपाठी ने एक बार फिर अपने लोकप्रिय किरदार माधव मिश्रा के रूप में वापसी की है। उनके साथ मोहम्मद जीशान अय्यूब, सुरवीन चावला, आशा नेगी, खुशबू अत्रे, बरखा सिंह, मीता वशिष्ठ और श्वेता बसु प्रसाद जैसे अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं। अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर समीर नायर ने कहा, क्रिमिनल जस्टिस हिंदी स्ट्रीमिंग की सबसे लंबे समय तक चलने वाली और पसंद की जाने वाली फ्रेंचाइज़ी है। यह भरोसे, बड़े स्केल और लगातार बेहतर कहानी कहने की बुनियाद पर टिकी है। सीजन 4 की रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत हमारे लिए गर्व का मौका है। हम जियोहॉटस्टार और बीबीसी स्टूडियोज़ इंडिया जैसे अपने सहयोगियों के आभारी हैं, जिनके साथ हम लगातार इस फ्रेंचाइज़ी को आगे बढ़ा रहे हैं। अपने किरदार को लेकर पंकज त्रिपाठी ने कहा, माधव मिश्रा का किरदार निभाना हमेशा मेरे लिए एक भावनात्मक सफर रहा है। यह मेरे दिल के बहुत करीब है। जब मैं दर्शकों को इस किरदार से जुड़ते हुए देखता हूं, तो बहुत संतोष मिलता है। उनकी प्रतिक्रियाएं मुझे इस किरदार को और सच्चाई और समर्पण के साथ निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। मैं सभी दर्शकों के प्यार और समर्थन के लिए दिल से आभारी हूं।

ईशा गुप्ता 'धमाल 4' की हीरोइन बनीं, अजय देवगन संग करेंगी धमाल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की ग्लैमरस अभिनेत्री ईशा गुप्ता अब कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी 'धमाल 4' में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। निर्देशक इंद्र कुमार के निर्देशन में बन रही इस बहुचर्चित फिल्म में ईशा गुप्ता अभिनेता अजय देवगन के अपोज़िट एक अहम किरदार में नज़र आएंगी। यह जोड़ी इस साल की सबसे दिलचस्प कास्टिंग मानी जा रही है। ईशा गुप्ता अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास से भरपूर स्क्रीन प्रेज़ेंस और दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 'धमाल 3' में भी अपने स्टाइल और तेवरों भरे किरदार से दर्शकों को खूब प्रभावित किया था, जिसे काफी पसंद किया गया था। अब 'धमाल 4' में उनकी वापसी एक 'फुल-सर्कल मोमेंट' की तरह है, और इस बार उनका किरदार और भी बोल्ड तथा कहानी में केंद्रीय भूमिका निभाने वाला होगा।

निर्देशक इंद्र कुमार ने ईशा के साथ एक बार फिर काम करने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हम बहुत खुश हैं कि ईशा गुप्ता दोबारा 'धमाल 4' में हमारे साथ हैं। वह 'धमाल 3' का भी हिस्सा रही थीं।

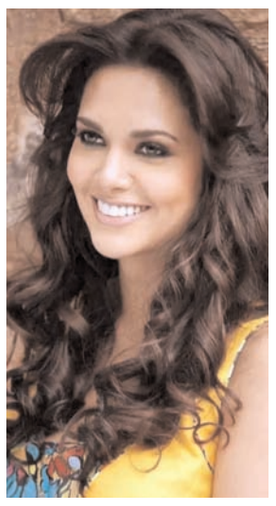

वह एक बेहतरीन अभिनेत्री और शानदार इंसान हैं। उनके साथ काम करना हमेशा सुखद अनुभव होता है। यह बयान ईशा के पेशेवर कौशल और व्यक्तिगत गुणों दोनों की सराहना करता है। हालांकि फिल्म में ईशा के किरदार की ज्यादा जानकारी अभी गोपनीय रखी गई है, लेकिन यह तय है कि वह सिर्फ ग्लैमर के लिए नहीं, बल्कि कहानी की दिशा और हास्य में भी बड़ी भूमिका निभाने वाली हैं। उनका किरदार कहानी में बड़े मोड़ और जबरदस्त कॉमिक मोमेंट्स लेकर आएगा।

हाल ही में ईशा ने हनी सिंह और जुबिन नौटियाल के साथ 'ब्राउन आइज़ वाली' और 'इश्क मेरा' जैसे म्यूज़िक वीडियोज़ में भी धमाल मचाया है, जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई है। अब वह अपनी खास अदाओं और स्क्रीन पर दमदार उपस्थिति के साथ 'धमाल 4' में एक नई ताजगी लेकर आएंगी। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं कि फिल्म में उन्हें अजय देवगन और ईशा गुप्ता के बीच शानदार केमिस्ट्री, चुटीले डायलॉग्स और हंसी से भरपूर सिचुएशन्स देखने को मिलेंगी, जो धमाल फ्रेंचाइजी की पहचान रही है।

मिस वर्ल्ड का मिशन सिर्फ तारीफ बटोरना नहीं, समाज में बदलाव लाना भी है : मानुषी छिल्लर

मुंबई/एजेन्सी

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने खिताब जीतने से लेकर मिस वर्ल्ड मंच पर जज बनने तक के अपने शानदार सफर के बारे में बातचीत की। अभिनेत्री का मानना है कि मिस वर्ल्ड का मिशन सिर्फ तारीफ बटोरना नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। अभिनेत्री ने बताया, 'ब्यूटी विद ए पर्पस' मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का मूल मंत्र है, यानी सिर्फ बाहरी सुंदरता नहीं, बल्कि एक बड़े मकसद के लिए काम करना। वह बताती हैं कि जब वह 20 साल की थीं, तब उन्होंने इस मंच पर हिस्सा लिया था। उनके पास एक सपना और एक प्रोजेक्ट था, जिसे उन्होंने वहां पेश किया। 'ब्यूटी विद ए पर्पस' ही मिस वर्ल्ड की आत्मा है। यहां जितने भी लोग आते हैं, उनकी आंखों में भी सपने होते हैं। प्रतियोगिता से जुड़ी बातों को शेयर करते हुए उन्होंने बताया, आज भी मुझे वो शब्द याद हैं कि 'क्या अंधेरे में एक दीया जलाना, बिल्कुल न देखने से बेहतर नहीं है? मैं बस यही कहना चाहती हूं कि यही मिस वर्ल्ड का मिशन है। जब हम इन सभी अद्भुत महिलाओं को मंच पर देखते हैं, तो गर्व होता है।

वे केवल प्रशंसा के लिए नहीं आई हैं। वे यहां बदलाव की चिंगारी जलाने आई हैं। उन्होंने बताया, मिस वर्ल्ड का मिशन यही है कि ये प्रतियोगी सिर्फ तारीफ बटोरने नहीं आतीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करती हैं। वे अपने विचारों और प्रोजेक्ट्स के जरिए दुनिया में एक नई रोशनी फैलाने की कोशिश करती हैं। मानुषी छिल्लर ने साल 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। उन्होंने फेमिना मिस इंडिया 2017 प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड का ताज जीता। मानुषी ने पीरियड ड्रामा 'सम्राट पृथ्वीराज' से अभिनय जगत में डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने 'संयोगिता' का किरदार निभाया था। इसके बाद वह कॉमेडी-ड्रामा 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' और एक्शन ड्रामा 'बड़े मियां छोटे मियां' में दिखाई दीं। मानुषी छिल्लर 'तेहरान' समेत कई अपकमिंग प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं।

फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का पहला पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की आने वाली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का पहला पोस्टर रिलीज़ हो गया है। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के ज़रिये दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह एक म्यूज़िकल लव स्टोरी है जो दर्शकों के दिलों को निश्चित रूप से छू जाएगी। मानसी बागला द्वारा लिखित इस फिल्म से शनाया अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। हाल ही में फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज़ किया गया, जिसमें विक्रांत और शनाया मेले में एक-दूसरे के साथ प्यार के खूबसूरत पल बिताते हुए नजर आ रहे हैं। विशाल मिश्रा के संगीत से सजी यह फिल्म सिर्फ एक लव स्टोरी नहीं, बल्कि एक खूबसूरत एहसास है।

कृतिका कामरा ने दिल्ली में अनुषा रिज़वी की महिला प्रधान ड्रामा फिल्म की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृतिका कामरा ने दिल्ली में अनुषा रिज़वी निर्देशित महिला प्रधान ड्रामा फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हाल ही में मटका की शूटिंग खत्म करने के बाद कृतिका कामरा ने अब अपने अगले फीचर फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। इस फिल्म का निर्देशन अनुषा रिज़वी ने किया है। इस फिल्म में कृतिका मुख्य भूमिका में नज़र आएंगी, वहीं फरीदा जलाल, जूही बब्बर और श्रेया धनवंतरी भी अहम किरदार निभा रही हैं। पूरी तरह दिल्ली में शूट हुई इस फिल्म में शानदार कास्टिंग और अनुषा रिज़वी के बेहतरीन निर्देशन को एक साथ देखने को मिलेगा। रिज़वी अपनी चर्चित फिल्म 'पीपली लाइव' के लिए जानी जाती हैं। यह प्रोजेक्ट कृतिका के लिए एक बड़ा मौका है क्योंकि वो इस महिला प्रधान कहानी में मुख्य किरदार निभा रही हैं, जिसमें कॉमेडी का भी तड़का है। फिल्म के करीब से जुड़े एक सूत्र ने बताया, दिल्ली में शूटिंग करने से फिल्म में एक असलीपन आ गया, जिसे कहीं और लाना मुश्किल था। कृतिका, जूही और श्रेया ने सेट पर कमाल की एनर्जी डाली, और अनुषा का विज़न बहुत ही बोल्ड और फ्रेश है। यह फिल्म एक महिला प्रधान ड्रामा है जिसमें कॉमेडी भी है, और कृतिका इसकी जान हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद अब यह प्रोजेक्ट पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए तैयार है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 05-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 4 जून को राजभाषा कार्यशाला का आयोजन सम्मेलन कक्ष में किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 की यह प्रथम राजभाषा कार्यशाला है, जिसकी अध्यक्षता प.मुत्तुमारन, महाप्रबंधक(क्षेत्र), भा.खा.नि., क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा की गई। कार्यशाला में अतिथि वक्ता के रुप में वाई राज राजेश्वर राव, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), भारतीय स्टेट बैंक उपस्थित थे एवं साथ में गगन कुमार मिश्रा, उप महाप्रबंधक (क्षेत्र), रुण कुमार, उप महाप्रबंधक (राजभाषा), रवि शास्त्री, उप महाप्रबंधक (सामान्य) एवं सहायक महाप्रबंधक(राजभाषा) धीरेन्द्र सिंह बोनाल उपस्थित थे साथ ही बड़ी संख्या में प्रतिभागी के रुप में अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

महाप्रबंधक मुत्तुमारन द्वारा अतिथि वक्ता राज राजेश्वर राव का स्वागत स्मृति चिन्ह भेंट करके किया गया। अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। प्रथम सत्र में राज राजेश्वर राव द्वारा आंतरिक कामकाज में राजभाषा हिंदी एवं एच.आर.एम.एस. एवं ई.ऑफिस में राजभाषा हिंदी के विषय पर जानकारी दी गई। द्वितीय सत्र में कुणाल कुमार गुप्ता, प्रबंधक(राजभाषा) ने 'यूनिकोड़' के बारे में जानकारी प्रदान किए एवं सभी प्रतिभागियों से अभ्यास भी करवाएं। मंच का संचालन कुणाल कुमार गुप्ता, प्रबंधक(राजभाषा) द्वारा किया गया। लोकेश कुमार शाह के आर, वरिष्ठ राजभाषा सहायक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कार्यशला संपन्न हुई।

आराध्य से प्रेम को जीवन का लक्ष्य बनाएं : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गुमडीपुण्डी स्थित जैन स्थानक में श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने बुधवार को प्रवचन के दौरान कहा कि संसार की सभी कलाओं में धर्म कला सर्वोपरि है। इस कला के अभाव में पशु और मनुष्य में कोई ख़ास फर्क नहीं रह जाता है। जीवन में प्रत्येक प्रवृत्ति होश और सावधानी पूर्वक की जाए तो कर्म बंधन से बचा जा सकता है। मनुष्य जीवन एक विराट अवसर है चेतना के परिष्कार और उर्ध्वारोहन का। एक संभावना है कि हम इस अस्तित्व की मौलिकता को समझ कर जीवन को निखार सकें और एक गौरवपूर्ण जीवन निर्मित कर सकें। जीवन और संसार में दु:ख है। यह कोई निराशावादी घोषणा नहीं है बल्कि प्रगट रूप में संसार का जो स्वरूप है , यह उसी का चित्रण और वर्णन है। सोए हुए लोगों का संसार यानि जो मनुष्य शरीर धारण करने मात्र से ही स्वयं को मनुष्य तो मान बैठे हैं, किन्तु दु:खी हैं, व्याकुल हैं। लेकिन एक मार्ग है इस दु:ख से मुक्ति प्राप्त करने का। जीवन के प्रत्येक पल को सावधानी पूर्वक जीते हुए यदि हम एक जागृतिपूर्ण जीवन जीते हैं तो दु:ख मिट सकता है। जीवन उत्थान और योग्यता के विकास की एक सम्यक प्रक्रिया ही धर्म है। धर्म आंख खोलने की विधि है। यदि आंखें खुली हों तो मार्ग स्वतः बन जाता है। खुली आंखों से यह देख पाना संभव है कि जीवन न सुख है, न दु:ख। जीवन तो बस जीवन है। यह हम पर निर्भर करता है कि इसे एक उत्सव बनाकर जीते हैं अथवा तमाशा। जीवन की व्यर्थता का वर्णन करने या उसे धिक्कारने से कुछ न होगा। ऐसा करके तो हम केवल उस आनंद से वंचित होंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमारे जीवन में जो हमें मिलना चाहिए, यदि वह हमें प्राप्त हो जाता है तो हमें अपने जीवन का अर्थ मिल जाता है।

सभी जीवों से प्रेम करना एवं अपने आराध्य से प्रेम करना ही हमारे जीवन का असली लक्ष्य होना चाहिए। इसी में ही मानव जीवन की सार्थकता है। निःस्वार्थ भाव से किये कर्म से ही शुभ प्रयोजन, आनन्द और अमरत्व पाया जा सकता है। यहां पहुँचने पर गुमडीपुण्डी संघ के महावीर सांखला व अशोक कांठेड़ आदि पदाधिकारी ने गुरुदेव श्री की अगवानी करके स्वागत किया। गोपालपुरम संघ के पदाधिकारीगण व सदस्यगण आदि ने विहार सेवा का लाभ लिया। राजकुमार कोठारी ने बताया कि मुनिश्री गुरुवार को गुमडीपुण्डी से विहार करके कारनोडे पहुचेंगे। मुनिश्री का चातुर्मास प्रवेश 4 जुलाई को गोपालपुरम स्थित छाजेड़ भवन में होगा।

कोयम्बटूर में मुनिसुव्रत स्वामी मंदिर में मूर्ति प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के चोकंपधुर स्थित ग्लोबस नक्षत्र स्थित अपार्टमेंट में मुनिसुव्रत मंदिर में बुधवार को मुनिसुव्रत स्वामी जैन ट्रस्ट (ग्लोबस नक्षत्र) मंदिरजी में पंच धातु के श्री आदिश्वर भगवान एवं श्री पार्श्वनाथ भगवान का मंगल प्रवेश के कार्यकम में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। मीडिया प्रभारी किशोर जैन ने बताया कि साध्वीश्रीमणिप्रभाश्रीजी के सान्निध्य में स्नात्र महापूजन हुआ। शोभायात्रा निकाली गई।

दोनों प्रतिमाओं की अंजनशलाका बेंगलूरु में आचार्य अभय शेखर सुरीश्वर म. सा. के करकमलों द्वारा 2 जून को होगी। सबका स्वागत मंदिर के अध्यक्ष देवीचंद गांधी ने किया, संचालन सचिव नरेंद्र नानेशा ने किया। संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान और पूजन विधि विधान से बिपिन गुरुजी ने करवाया।

साधविजी ने सब श्रद्धालुओं को मांगलिक सुनाकर आशीर्वाद दिया। इस कार्यक्रम में कोयंबतूर के सब जैन समाज के लोग उपस्थित थे। अंत में मंदिर कोषाध्यक्ष जितेंद्र करबावाला ने आभार व्यक्त किया।

साध्वी ज्ञानलता का देवलोकगमन, गुणानुवाद सभा में हुआ गुणगान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य पूज्यश्री हीराचंद्र म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी महासती ज्ञानलता म.सा. का 3 जून 2025 को रात्रि 8.45 बजे देवलोकगमन हो जाने पर स्वाध्याय भवन, साहूकारपेट में गुणानुवाद किया गया। 4 जून को स्वाध्याय भवन में वरिष्ठ स्वाध्यायी आर वीरेन्द्र कांकरिया ने महासती ज्ञानलता के चेन्नई में वर्ष 2011 व 2013 के चातुर्मास की विशिष्ठ उपलब्धियों व संस्मरणों का उल्लेख करते हुए गुणगाण किया।

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने गुणानुवाद करते हुए कहा कि उनका जन्म वर्ष 1964 में पारसमल छोटीबाई बोहरा के यहां कांचीपुरम तमिलनाडु में हुआ व उनकी जैन भागवती दीक्षा चेन्नई में 19 दिसम्बर 1983 को एस एस जैन बोर्डिंग होम माम्बलम में आचार्य हस्तीमल की आज्ञा से महासती मैनासुन्दरी के महासती ज्ञानलता वर्ष 2011 में जब स्वाध्याय भवन साहूकारपेट में शेष कल्प 58 दिनों तक विराजें तब महासती की प्रेरणा से ऋषभ कृपा बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट में श्रावकों के दैनिक संवर हुए व उन्होंने विहार के समय हर शनिवार संवर आराधना करने के नियम कराए। चातुर्मास काल में तीर्थंकर की आराधना बीस बोलों की साधना व युवा वर्ग के लिए दैनिक प्रातःकाल विशिष्ठ कक्षा एक कदम धर्म की ओर के माध्यम से को देव धर्म गुरु पर अटूट श्रद्धा से जोड़ा। ज्ञानलता महासती के मुखारविन्द से गुरु विजय शांति कालेज वेपेरी के प्रांगण में 15 मई 2013 को लक्षितप्रभा की दीक्षा हुई। महासती ज्ञानलता ने 42 वर्षों के दीक्षा काल में स्व व पर कल्याण करते हुए जिनशासन की महती प्रभावना की।

गुणानुवाद रुप में रुपराज सेठिया,गौतमचंद मुणोत, महावीरचन्द तातेड़,इंदरचंद कर्णावट, लीलमचन्द बागमार, महावीर कर्णावट, पदमचन्द दीपक योगेश श्रीश्रीमाल, नवरतनमल चोरडिया, वीरेन्द्र ओस्तवाल ने चार-चार लोगस्स का ध्यान करते हुए महासती ज्ञानलता के प्रति गुणानुवाद भाव प्रकट किए।

महेश नवमी पर 12 दिवसीय मास्टर हेल्थ चेकअप कैम्प का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महेश नवमी पर श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई, मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट तथा माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में अपोलो हॉस्पिटल्स के सहयोग से एक विशेष 12 दिवसीय मास्टर हेल्थ चेकअप कैम्प का शुभारंभ आज सादगीपूर्ण एवं गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लखोटिया ने अपोलो हॉस्पिटल कैम्प के प्रमुख दिग्विजय को पुष्प गुच्छ देकर कैम्प का विधिवत उद्घाटन किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा, स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। समाज के प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को समय-समय पर हेल्थ चेकअप अवश्य करवाना चाहिए। यह कैम्प इसी उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जिससे समाज के अधिकतम लोगों को समय रहते स्वास्थ्य संबंधी जानकारी मिल सके।

संयोजक अनुराग माहेश्वरी ने जानकारी दी कि इस विशेष शिविर में लगभग 300 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की व्यापक जांच की जाएगी, जिसमें ब्लड टेस्ट, ईसीजी, बीएमआई, डायबिटीज, बीपी, हृदय, लिवर, किडनी आदि की जांचें शामिल हैं। इस 12 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अपोलो हॉस्पिटल ग्रीम्स रोड में किया गया है, जो प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। सभा के सचिव संजय मूंदड़ा ने कहा, स्वस्थ समाज ही समृद्ध समाज की नींव है। यह कैम्प समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। सभी समाजबंधु इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ लें। इस मौके पर समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

कर्नाटक सरकार को सुरक्षा प्रोटोकॉल की तत्काल समीक्षा करनी चाहिए : भगदड़ की घटना पर खरगे ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आईपीएएल में 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु' (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाए जाने के दौरान आयोजन स्थल पर मची भगदड़ में कई लोगों की मौत पर बुधवार को दुख जताया और कहा कि राज्य सरकार को आयोजनों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए तथा उन्हें मजबूत करना चाहिए। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है।

आरसीबी की जीत के जश्न में भाग लेने के लिए बुधवार को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों के जुटने के उपरांत मची भगदड़ में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र ने दावा किया कि भगदड़ से 11 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की आईपीएल, 2025 की जीत के जश्न के दौरान बेंगलूरु में हुई दुखद भगदड़ से मैं बहुत दुखी हूं। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में बहुमूल्य जिंदगियों की क्षति हुई है और कई लोगों को चोटें आई हैं जो अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है, और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस बेंगलूरु के लोगों के साथ खड़ी है और कर्नाटक सरकार द्वारा प्रभावित परिवारों को राहत, चिकित्सा सहायता और सहायता प्रदान किए जाने के सभी प्रयासों में सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्तर कोरिया से बातचीत फिर शुरू करेंगे, अमेरिका-जापान साझेदारी मजबूत करेंगे

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया के नये राष्ट्रपति ली जे-म्यांग ने उत्तर कोरिया के साथ वार्ता फिर शुरू करने और अमेरिका तथा जापान के साथ त्रिपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने का बुधवार को संकल्प लिया। इसके साथ ही उन्होंने अपने पांच साल के कार्यकाल के लिए प्रमुख नीतिगत लक्ष्य भी निर्धारित किए। ली ने बुधवार को राष्ट्रपति पद का कार्यभार औपचारिक रूप से संभालने के बाद असमानता और भ्रष्टाचार से लड़ने का संकल्प लिया। वह मंगलवार को हुए चुनाव में राष्ट्रपति चुने गए। तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक येओल को पिछले साल 'मार्शल लॉ' लगाने के बाद इस साल अप्रैल में बर्खास्त कर दिया गया था, जिस वजह से मध्यावधि चुनाव हुए। 'नेशनल असेंबली' में अपने पहले भाषण में ली ने कहा कि उनकी सरकार दक्षिण कोरिया-अमेरिका सैन्य गठबंधन के आधार पर उत्तर कोरिया के संभावित आक्रमणों का मजबूती से प्रतिरोध करेगी। उन्होंने कहा कि वह उत्तर कोरिया के साथ एक संचार माध्यम स्थापित करेंगे और वार्ता एवं सहयोग के जरिये कोरियाई प्रायद्वीप पर शांति कायम करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि वह व्यावहारिक कूटनीति अपनाएंगे और दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन के आधार पर त्रिपक्षीय सियोल-वाशिंगटन-टोक्यो सहयोग को बढ़ावा देंगे।

आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक उपचार संबंधित कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा तेरापंथ टास्क फ़ोर्स फिजिकल मिशन एम्पावरमेंट के अंतर्गत आपातकालीन परिस्थिति में प्राथमिक उपचार की कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को किया गया। अध्यक्ष कमलेश चौपड़ा ने अभातेयुप से आए हुए प्रशिक्षक राकेश दक, राकेश पोखरणा एवं कर्मचारियों का स्वागत किया।

प्रशिक्षक राकेश दक ने विभिन्न आपात परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार के बारे में बताया जिसके अंतर्गत आग से जलने पर, रक्तस्राव की परिस्थिति में एवं श्वास चोकिंग की अवस्था मे हॉस्पिटल पहुंचने से सुनहरे घंटों में कार्य करें इसका प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर तेयुप के उपाध्यक्ष विकास बाँठिया, सहमंत्री पवन बैद, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर, किशोर मंडल से संयोजक हर्ष मांडोत, हेमंत पटावरी आदि उपस्थित थे। अतिथियों का सम्मान किया गया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाराजा नलवाड़ी कृष्ण राजेंद्र वाडेयार के 141 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बेंगलूरु के विभिन्न कन्नड़ संगठनों द्वारा केआर मार्केट में गुणानुवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत, हंसराज मुणोत ने नलवाड़ी कृष्ण राजेंद्र वाडेयार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए महाराजा के योगदान को याद किया व उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। मुणोत ने अन्नदान कार्यक्रम में सहयोग दिया। संगठन के पदाधिकारी शिवकुमार ने मुणोत बंधुओं को सम्मानित किया।

भंडारा एवं छाछ वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नारायण रेकी सत्संग परिवार चेन्नई द्वारा गोपालपुरम में भंडारे का आयोजन कर राहगीरों को मुफ्त भोजन करवाया गया और साथ ही निर्जला ग्यारस के उपलक्ष में छाछ का वितरण किया गया। इस अवसर पर 300 से अधिक राहगीरों ने भोजन किया और उनके चेहरे की संतुष्टि और मुस्कान ने सभी कार्यकर्ताओं को भाव विभोर कर दिया। अन्नदान महादान योजना के अंतर्गत यह कार्य किया गया।

इस कार्यक्रम में निर्मला चौधरी, सुनीता खेमका, प्रभा खेमका, अर्पना चौधरी, श्यांमा डागा, शांति डागा, वंदना डागा, सरला मंगल, उषा अग्रवाल, शशि अग्रवाल, मधु मस्कारा, हेमलता, बीना अग्रवाल , प्रीति, प्रेमलता, सुनीता, रंजना अग्रवाल सहित कई महिलाएं उपस्थित रही। नारायण रेकी सत्संग परिवार गुरु माँ राज दीदी के बताए रास्ते पर चलते हुए लोगों के जीवन में सकारात्मकता, समृद्धि, विश्वास, वाणी, विचार, व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत है। नारायण रेकी सत्संग परिवार हर महीने स्मृति साधना एवं प्रार्थना करते है। हजारों लोग इस परिवार से जुड़ कर समाज में सकारात्मकता का संचार कर रहे है।

माहेश्वरी भवन में महेश नवमी पर भगवान महेश का हुआ रुद्राभिषेक

बेंगलूरु। माहेश्वरी समाज के वंशोत्पत्ति दिवस 'महेश नवमी' के दिन शहर के माहेश्वरी भवन में स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा भगवान शिव के रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभा के सहकोषाध्यक्ष विनीतकुमार-आशा बियाणी ने सपत्नीक पूरे विधि विधान से रुद्राभिषेक किया। इस मौके पर उपस्थित विभिन्न संबंधित संस्थाओं के सदस्य परिवारों ने भगवान महेश का अभिषेक किया। रुद्राभिषेक के पश्चात भवन परिसर के सामने राहगीरों को अन्नदान किया गया। सभा द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य में 8 जून को सुबह 11 बजे से छोटे बच्चों के लिए चित्रकला एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, समाज के वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान, खेलों में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त विद्यार्थियों को प्रतिभा सम्मान तथा पहली कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को सरस्वती पुरस्कार दिया जाएगा।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.